www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 131 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
01 अगस्त 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:30
सूर्यास्त: 06:55
अधिकतम: 33°00
न्यूनतम: 28°00

पेज 07 »

विशेष समाचार पशुधन संरक्षण, गौसंवर्धन ... » पेज 04 | देवरिया में अंबेडकर प्रतिमा... » पेज 06 | 79 साल की हुईं ...

कोर्ट ने अलग-अलग धाराओं में जुर्माना भी लगाया कोर्ट बोला- घटना गंभीर, इसने समाज को झकझोर दिया

"लोकल कोर्ट ने कहा -ताहिर हुसैन हथियारों से लैस उस भीड़ का हिस्सा थे, जो हिंदुओं के प्रति नफरत के कारण दंगा, आगजनी और लूटपाट करने के लिए इकट्ठा हुई थी। जिसने बेरहमी से और लगातार हमला करके शर्मा की हत्या कर दी।"

अंकित शर्मा हत्याकांड में ताहिर हुसैन को उम्रकैद

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान IB अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई।

कोर्ट ने कहा कि यह बेहद गंभीर वारदात थी, जिसने समाज को झकझोर दिया। कोर्ट ने 13 जुलाई को ताहिर, नाजिम, काशिम, अनस और जावेद को हत्या, अपहरण, दंगा और सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने का दोषी ठहराया था। वहीं, 11 आरोपियों में से 6 को बरी कर दिया गया था।

दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में कहा था, 'आरोपियों ने सारी हदें पार कर दीं। अंकित की मौत होने के बाद भी उन पर हमला जारी रखा गया। यह बेहद क्रूर और सुनियोजित हत्या थी। इसलिए दोषियों को फांसी की सजा दी जाए।

दिल्ली दंगा 23 फरवरी, 2020 से शुरू हुआ था। 25 फरवरी को आईबी अफसर अंकित शर्मा घर से बाहर निकले थे, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं आए।

» (शेष पेज 06 पर)

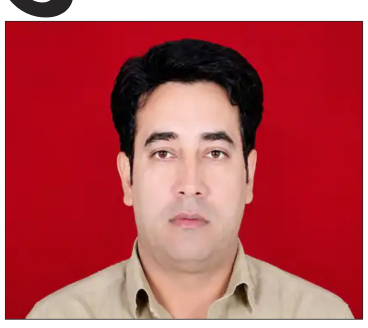

IB अफसर अंकित शर्मा की 25 फरवरी, 2020 को हत्या की गई थी।

AAP के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन शुक्रवार को कड़कड़डूमा कोर्ट पहुंचे थे। सजा के बाद कोर्ट से बाहर जाते हुए।

- फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़ा है यह मामला।
- आप के पूर्व पार्षद थे ताहिर हुसैन, कोर्ट का फैसला।

ताहिर के वकील ने कहा- रेयरेस्ट ऑफ रेयर का मामला नहीं

ताहिर हुसैन के वकील ने दलील दी थी कि हर हत्या के मामले में मौत की सजा नहीं दी जा सकती। किसी भी दोषी की अलग-अलग भूमिका साफ नहीं बताई गई। इसलिए यह मामला 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' की श्रेणी में नहीं आता।

सीएए के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुआ था दंगा

23 फरवरी 2020 को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) विरोधी और समर्थक आमने-सामने आ गए थे। इसके बाद दोनों पक्षों की ओर से पथराव होने लगे थे।

26 फरवरी तक चले दंगों में 53 लोगों की जान गई थी। 250 से ज्यादा जख्मी हो गए थे। मरने वालों में 38 मुसलमान और 15 हिंदू थे। करीब 800 दुकानें जला दी गई थीं। 500 से ज्यादा घरों को आग के हवाले कर दिया गया था।

बचाव पक्ष ने किया था कम सजा देने का अनुरोध

वहीं, बचाव पक्ष ने मृत्युदंड का विरोध करते हुए अदालत से कहा था कि यह मामला रेयरेस्ट ऑफ द रेयर की श्रेणी में नहीं आता। बचाव पक्ष ने दोषियों की सामाजिक और पारिवारिक परिस्थितियों सहित अन्य आधारों का हवाला देते हुए उन्हें मृत्युदंड न देने और कम सजा देने का अनुरोध किया था। दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद अदालत ने सजा पर फैसला सुनाने के लिए 31 जुलाई की तारीख तय की थी। अब सभी की निगाहें अदालत के फैसले पर टिकी हैं। अंकित शर्मा का शव 26 फरवरी 2020 को चांदबाग क्षेत्र के एक नाले से बरामद हुआ था।

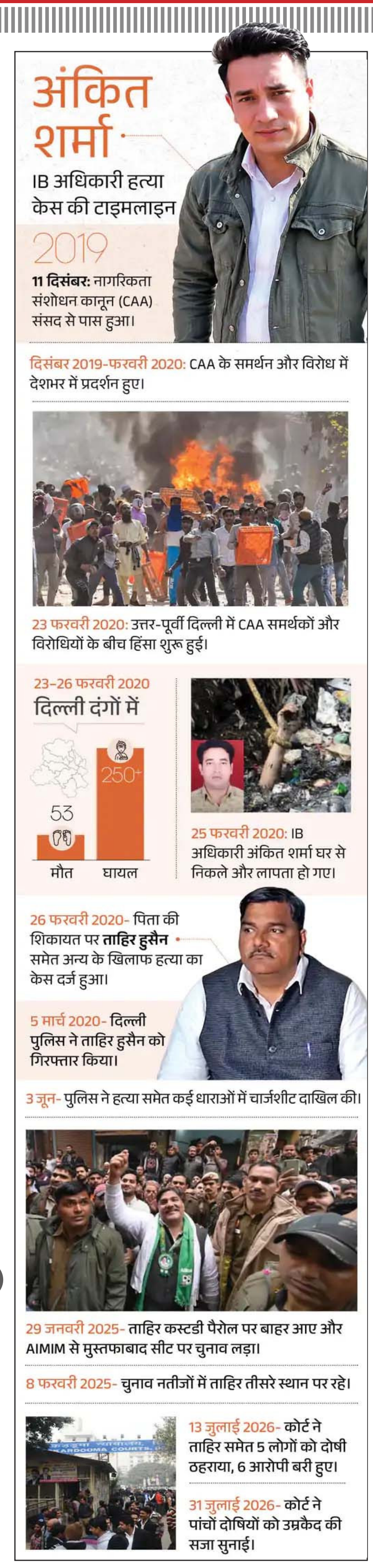

यूपी में गंगा का पानी हाईवे तक पहुंचा

नई दिल्ली। यूपी में मानसून फिर से कमजोर पड़ गया है, लेकिन पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश के कारण गंगा, घाघरा-सरयू समेत 10 नदियां उफान पर हैं। वहीं, बिजनौर में गंगा का पानी बहसूमा-ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रहा है।

गुजरात में आज सभी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। वहीं, उत्तराखंड में भी खराब मौसम को देखते हुए बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में भी आज स्कूल बंद हैं।

पश्चिमी राजस्थान के जिलों में गर्मी बढ़ गई है। जैसलमेर, बाड़मेर में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया है। इसकी वजह पश्चिम की तरफ से आ रही गर्म हवाएं हैं।

मध्य प्रदेश में मानसून के 3 स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हैं।

मंत्री दीपक प्रकाश के लिए बीजेपी एमएलसी का इस्तीफा

पीछे के दरवाजे से विधान परिषद पहुंचे देवेश कुमार

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना । BJP MLC देवेश कुमार ने शुक्रवार को अपना इस्तीफा दे दिया। माना जा रहा है कि दीपक प्रकाश के मंत्री बने रहने के लिए पार्टी ने उनका इस्तीफा दिलवाया है। अब इस सीट पर चुनाव होगा, जिसपर दीपक प्रकाश कैंडिडेट होंगे। देवेश कुमार के इस्तीफ के लिए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, सभापति अवधेश नारायण सिंह और अन्य बीजेपी नेता विधान परिषद पहुंचे। इसके बाद संजय सरावगी ने देवेश कुमार का इस्तीफा सभापति को सौंपा। इस दौरान देवेश कुमार उनके साथ मौजूद थे।

- एससी ने पूछा था- बिना एमएलए-एमएलसी दीपक मंत्री कैसे?

» (शेष पेज 06 पर)

पप्पू यादव पुजारी बनकर संसद पहुंचे, राहुल गांधी ने दिया चंदा

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर विपक्ष का प्रदर्शन, जितेंद्र सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया। सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे।

राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने दानपेटी में चंदा डाला। साथ ही विपक्षी सांसद बैनर लेकर पहुंचे जिसमें 'अमित शाह संसद से गायब क्यों' लिखा हुआ था।

इधर, लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू हुई, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। 12 बजे दोबारा शुरू होने पर लोकसभा में जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 ध्वनि मत से पास हुआ। लोकसभा और राज्यसभा तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

संसद परिसर में विरोध कर पप्पू यादव की दानपेटी में राहुल गांधी ने चंदा डाला।

"वहीं, कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के संसद में दिए गए बयान को लेकर उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया है। सिंह ने कहा था कि जंतर-मंतर और संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग नहीं हुई थी।"

लोकसभा तीन अगस्त तक स्थगित

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 पारित करने का प्रस्ताव रखा। बिल ध्वनि मत से पास हुआ। इसके बाद विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई।

फास्ट न्यूज

भोजशाला के पीछे तय जमीन पर पढ़ी जुमे की नमाज

धार। मध्यप्रदेश के धार में शुक्रवार को जुमे की नमाज भोजशाला परिसर की बाउंड्रीवॉल से सटी खसरा नंबर 612 की जमीन पर अदा की गई। इससे पहले प्रशासन ने जेसीबी से जमीन समतल कराई।

फैसला सुरक्षित

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सरकार की दलील

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत अब यह तय करेगी कि नियुक्ति प्रक्रिया को नियंत्रित करने वाले 2023 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुनवाई के लिए पांच सदस्यीय पीठ के पास भेजा जाए या नहीं। वहीं, इस कानून का बचाव करते हुए केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दलीली दी- यह मान लेना गलत होगा कि चयन समिति में संख्या बल होने के कारण प्रधानमंत्री और मंत्री 'बुरी मंशा' से काम करेंगे या लोकतंत्र के खिलाफ जाएंगे।

चंडीगढ़ से कांवड़ लेने हरिद्वार गए 4 दोस्तों की मौत

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ से हरिद्वार कांवड़ लेने गए 4 दोस्तों की शुक्रवार को गंगनहर में डूबने से मौत हो गई। चारों अपने दल के साथ हरकी पैड़ी से गंगाजल भरकर चंडीगढ़ लौट रहे थे। ज्वालापुर के जटवाड़ा पुल के पास एक किशोर गंगनहर में नहाने उतरा।

सीएम शुभेंदु की रेकी कर रहा जैश का आतंकी गिरफ्तार

पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड सज्जाद भट का करीबी

शिकंजा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । बंगाल पुलिस ने पूर्वी बर्धमान जिले से जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने हामिम मंडल नाम के इस शख्स को गुरुवार देर रात एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स से पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक मंडल के मोबाइल और घर से मिले दस्तावेजों से पता चला है कि वह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के बारे में जानकारी जुटा रहा था। पुलिस यह भी कह रही है कि हामिम पुलवामा अटैक के मास्टरमाइंड सज्जाद भट का करीबी है। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा अटैक में 40 CRPF जवान शहीद हो गए थे। हामिद को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। आरोपी हामिम एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए आतंकवादी संगठन के उस मॉड्यूल से जुड़ा, जिसे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी अजमल गुज्जर चलाते थे।

- भाजपा बोली- बदला लेने की फिराक में कट्टरपंथी

» (शेष पेज 06 पर)

चंद्रशेखर ने चुनावी बिगुल फूंका

ब्राह्मण और ठाकुर समाज के किसी चेहरे को सूची में शामिल नहीं किया गया

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

45 विधानसभा प्रभारी उतारे | **18** दलित को जगह | **10** मुस्लिम को जगह

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी के प्रमुख और सांसद चंद्रशेखर आजाद ने 2027 विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया है। उन्होंने शुक्रवार को 45 विधानसभा प्रभारियों की पहली सूची जारी की। इसमें पूर्व IPS आदित्य प्रकाश वर्मा को हाथरस (सुरक्षित) और अलीगढ़ की छर्रा सीट से पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह को विधानसभा प्रभारी बनाया गया है। लिस्ट में सबसे ज्यादा 18 दलित प्रभारियों को जगह दी गई है। इसके बाद 16 ओबीसी, 10 मुस्लिम और 1 सिख समाज से आने वाले नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, ब्राह्मण और ठाकुर समाज के किसी चेहरे को सूची में शामिल नहीं किया गया है। चंद्रशेखर का यह कदम इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि बसपा भी विधानसभा प्रभारियों की नियुक्ति कर चुनाव की तैयारी में जुटी है। ऐसे में दोनों पार्टियां दलित और बहुजन वोटरों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही हैं। आदित्य प्रकाश वर्मा उत्तर प्रदेश कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं। सेवा के दौरान कई जिलों में पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ पदों पर रहे।

» (शेष पेज 06 पर)

पश्चिमी यूपी पर सबसे ज्यादा जोर

पहली सूची में सबसे ज्यादा विधानसभा सीटें पश्चिमी यूपी की हैं। मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली, हापुड़, आगरा, अलीगढ़, मथुरा, बरेली, बदायूं और शाहजहांपुर जैसे जिलों में प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। इससे साफ है कि आजाद समाज पार्टी ने पश्चिमी यूपी को सबसे ज्यादा महत्व दिया है।

45 प्रभारियों की सूची में अलग-अलग समाज के लोगों को जगह दी गई है।

» (शेष पेज 06 पर)

लिस्ट में कई पुराने चेहरे शामिल

सूची में कई ऐसे नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है, जो पहले चुनाव लड़ चुके हैं या अपने इलाके में अच्छी पकड़ रखते हैं। इनमें गोवर्धन से दीपक चौधरी, फतेहपुर सीकरी से जगदीश बघेल, गोविंद नगर से तुलसीराम वाल्मीकि और मऊ की मधुबन सीट से शिवसागर यादव शामिल हैं। सभी प्रभारियों को बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और सामाजिक न्याय, संविधान व बहुजन समाज से जुड़े मुद्दों को लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी गई है।

आरोप : जंतर-मंतर पर घायल पुलिसकर्मियों के परिजन बोले- प्रोटेस्ट में स्टूडेंट नहीं, गुंडे थे

'मेरे पिता घर आए तो वर्दी खून से लाल थी'

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में घायल दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों के परिजन ने शुक्रवार को 25 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मंच पर 4 लोग मौजूद थे।

परिजन ने कहा, '20 तारीख के बाद नेरेटिव गढ़ा जा रहा है कि छात्रों को पुलिस ने पीटा, लेकिन प्रोटेस्ट का सच कुछ और ही है। हमला पुलिसवालों पर भी हुआ है।'

मेरे पिता जंतर-मंतर पर बैरिकेड के पास तैनात थे। वे अक्सर कहते थे कि यह अब सिर्फ छात्रों का प्रदर्शन नहीं रहा, इसमें असामाजिक तत्व भी शामिल हो गए हैं। 20 जुलाई को रात 10 बजे मेरे पिताजी को उनके साथी घर लेकर आए। उनकी वर्दी खून से लथपथ थी। हिंसक भीड़ ने उन्हें घसीटा और जंतर-मंतर मंच के पास पीट-पीटकर मारने की कोशिश की थी। वे करीब चार घंटे तक RML अस्पताल में बेहोश रहे, फिर भी सोशल मीडिया पर उन्हें ही क्रिमिनल बताया गया। 20

"सीजेपी ने आरोप लगाया था कि 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च में और उसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस और पैलेट्स गन का इस्तेमाल किया। पार्टी ने कई छात्रों के घायल होने का दावा करते हुए पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।"

घायल एसीपी की पत्नी उपनीत कौर ने बताया- 2 साल की बेटी डर गई थी

घायल एसीपी की पत्नी उपनीत कौर ने बताया, '20 जुलाई को संसद मार्च के दिन उनके पति देर रात घायल होकर घर लौटे। उन्हें इस हालत में देखकर मेरी 2 साल की बेटी डर गई। मैंने पूछा कि क्या हुआ, तो बोले कानून-व्यवस्था संभालने की ड्यूटी कर रहा था। इसी दौरान मुझ पर हमला हुआ।' 'घटना के बाद सोशल मीडिया पर पुलिस के बारे में गलत माहौल बनाया गया। लोगों ने यह नहीं बताया कि ड्यूटी के दौरान कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए। अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए उन्होंने मुश्किल हालात का सामना किया।'

जुलाई शाम 7 बजे पति को कॉल किया, तो वो हॉस्पिटल में इलाज करा रहे थे। भीड़ में मौजूद शरारती तत्वों ने पत्थर और हथियारों से पुलिस जवानों को घायल कर दिया था। इसके बाद उनका फोन बंद हो गया।

» (शेष पेज 06 पर)

महाराष्ट्र के भिवंडी में 4 मंजिला बिल्डिंग ढही, 9 लोगों की मौतें

4-5 लोगों के फंसे होने की आशंका

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

भिवंडी। महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे एक चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। 4 से 5 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव अभी भी जारी है।

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग में 48 कमरे थे। हर मंजिल पर 12 कमरे बने हुए थे। निगम ने बिल्डिंग को पहले ही खतरनाक घोषित कर दिया था, जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त मरम्मत का काम चल रहा था।

एक अधिकारी ने इस बिल्डिंग में रह रहे लोगों के हवाले से बताया कि गुरुवार रात करीब 9 बजे इमारत में जोरदार चटकने की आवाजें सुनी गईं। कुछ लोगों ने दरारें भी देखीं। इसके बाद स्थानीय लोगों ने परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट करना शुरू कर दिया, तभी इमारत का एक हिस्सा ढह गया।

- अफसर ने बताया- रात में ही इमारत में दरारें आ गई थीं

» (शेष पेज 06 पर)

कहा- राहुल गांधी-पप्पू यादव ने सनातन का अपमान किया, सिर झुकाकर माफी मांगें

यूपी के संत चढ़ावा चोरी के नाटक पर भड़के

नाराजगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। संसद परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर विपक्ष के प्रदर्शन पर यूपी का संत समाज भड़क गया है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सांसद राहुल गांधी और पप्पू यादव पर सनातन का अपमान करने का आरोप लगाया और उनसे सिर झुकाकर माफी मांगने को कहा।

दरअसल, मानसून सत्र के 10वें दिन यानी शुक्रवार को चढ़ावा चोरी को लेकर सपा-कांग्रेस ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया। बिहार की पूर्णिया सीट से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव साधु बनकर संसद पहुंचे। हाथ में दानपेटी लेकर मकर द्वार के

संसद परिसर में प्रदर्शन

पास जमीन पर बैठ गए।

जैसे ही सपा सांसद डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव और अवधेश प्रसाद दानपेटी में चढ़ावा डालने की कोशिश करते, पप्पू यादव तुरंत उसे छीनकर अपनी जेब में रख लेते। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी दानपेटी में रुपए डाले। थोड़ी देर बाद पप्पू यादव पेटी लेकर भागने लगे। सपा सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया। उनसे दानपेटी छीन ली। उनकी पिटाई करने का नाटक किया।

इस पर, वाराणसी में अखिल भारतीय संत समिति ने नाराजगी जताई। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती कहा-विपक्षी नेताओं की राजनीतिक लड़ाई बीजेपी से हो सकती है, लेकिन

जितेंद्रानंद सरस्वती बोले- सनातन का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे

जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा- अखिल भारतीय संत समिति का यह मानना है कि संसद संविधान के अनुसार एक पवित्र परिसर है। इस पवित्र परिसर का उपयोग अगर राष्ट्र विरोधी, सनातन विरोधी और देश के बहुसंख्यक हिंदू समाज की भावनाओं को कुचलने के लिए, उनको अपमानित-लांछित करने के लिए पप्पू यादव जैसे अपराधियों के द्वारा किया जा रहा है, तो मैं महामहिम राष्ट्रपति महोदया और लोकसभा अध्यक्ष दोनों से यह मांग करूंगा कि ऐसे सांसदों की संसद सदस्यता बर्खास्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा- यह पूरी दुनिया के अंदर सनातन को मिटाने के लिए उतरे हुए हैं। और हम एक बात कहेंगे, आपकी चुनौती हमें स्वीकार है!

साधु-संतों का छद्म वेश धारण कर भगवा और सनातन परंपरा का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राष्ट्रपति और लोकसभा स्पीकर संसद की गरिमा तार-तार करने वाले ऐसे जनप्रतिनिधियों को बर्खास्त करें। अयोध्या के संत राजू दास ने कहा- आज दुर्भाग्यपूर्ण घटना हमने संसद परिसर में देखी। राम मंदिर में अव्यवस्था को लेकर पप्पू यादव ने साधु बनकर चंदा चोरी करते हुए पप्पू यादव अपने आप को दिखाया है। दूसरी तरफ

> **भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा, विपक्ष का व्यवहार गैर जिम्मेदाराना है। राहुल गांधी देश के युवाओं को भड़काना चाहते हैं। छात्रों की सभी मांगे मान ली गई हैं। वे छात्रों को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।**

राहुल गांधी हंस रहे हैं। सपा सांसद अवधेश प्रसाद और सपा की टोपी पहने नेता कॉलर पकड़कर साधु को खींच रहे हैं। क्या यह संतों का अपमान नहीं है? सनातन संस्कृति का अपमान नहीं है?

बरेली कॉलेज में यूजीसी नेट कोचिंग कार्यक्रम

2026 का ब्रोशर रिलीज, पंजीकरण आज से प्रारम्भ

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा Environment, Agriculture and Education Society (EAES) के सहयोग से आयोजित यूजीसी-नेट (पर्यावरण विज्ञान) कोचिंग कार्यक्रम–2026 का ब्रोशर आज महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ. पी. राय द्वारा विमोचित किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया आज से प्रारम्भ कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 05 अगस्त 2026 तक अपना पंजीकरण करा सकते हैं। इस अवसर पर प्रो. राजेंद्र सिंह, डॉ. योगेश शर्मा, प्रो. दयाराम (वाणिज्य विभाग), प्रो. जसपाल सिंह (विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान), प्रो. अनामिका अग्रवाल, प्रो. निष्ठा सेठ, प्रो. गौरव भूषण, रिसर्च स्कॉलर मुकेश कुमार एवं

हर्षित तिवारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य प्रो. ओ. पी. राय ने कहा कि यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए विषय की गहरी समझ, नियमित अध्ययन तथा सही मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बरेली कॉलेज सदैव विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं शोध विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। यह कोचिंग कार्यक्रम विद्यार्थियों को अनुभवी शिक्षकों एवं विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में गुणवत्ता-पूर्ण तैयारी का अवसर प्रदान करेगा।

फास्ट न्यूज

अमूल, पतंजलि के नाम पर बेच रहे थे नकली घी

गोरखपुर। नकली खाद्य पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। चौरी चौरा क्षेत्र के सहसराव स्थित तनवी इंटर-प्राइजेज पर छापा मार कर 400 किलो नकली घी जब्त किया गया है। इसे अमूल, पतंजलि, मधुसूदन, रॉयल व हरियाणा समेत कई नामी ब्रांड के रैपर में भरकर रखा गया था। इन्हीं कंपनियों के खाली रैपर भी यहां मिले हैं।

यूक्रेन पर रूस के हमले में प्रयागराज का युवक लापता

प्रयागराज। रूस-यूक्रेन के बीच हो रही जंग में प्रयागराज के रहने वाले 23 साल का युवक लापता हो गया। 5 दिनों से घरवालों का युवक से संपर्क नहीं हो सका है। युवक की मां का कहना है कि मेरा बेटा मुझे वापस ला दीजिए। मैं सरकार से यही चाहती हूं मेरा बेटा वापस ला दे। परिवार का कहना है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन के समुद्री जहाज पर हुए रूसी ड्रोन हमले के बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिला है। परिवार के अनुसार करीब 9 महीने पहले वह 25 सितंबर 2025 को dwelloship मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की शिप में बतौर क्रू मेंबर शामिल हुए थे।

माटी कलश यात्रा में सिर पर कलश लेकर निकले नंदी

प्रयागराज । संत शिरोमणि गुरू रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर वाराणसी स्थित पावन जन्मस्थल की मिट्टी युक्त कलश यात्रा प्रयागराज में निकाली गई। शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी और पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता के नेतृत्व में कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में भाजपा पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

लड़कियां कस्टडी में बोलीं-अब मीडिया के सामने परेड कराई जा रही

'कंपनी के बाद पुलिस ने बेवकूफ बनाया'

वाराणसी में 21 महिलाएं गिरफ्तार, कॉल सेंटर में 1.25 करोड़ का फ्रॉड

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में बड़े फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 1.25 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी का खुलासा किया गया है। इस मामले में 21 महिलाओं सहित कुल 32 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को वाराणसी पुलिस ने जब डीसीपी क्राइम नीतू कादयान के सामने इनमे से 21 युवतियों को पेश किया तो वो उग्र हो गयीं। चिल्लाना शुरू किया और कहा कि पहले कंपनी ने धोखा दिया। उसके बाद पुलिस ने बेवकूफ बनवाकर साइन करवाए और अब मीडिया के सामने परेड कराई जा रही है। सब कुछ खत्म हो गया हम

लोगों का। फिलहाल पुलिस ने सभी का मेडिकल करवाने के बाद कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। डीसीपी क्राइम नीतू कादयान ने बताया - हमारे साइबर थाने में एक शिकायत मिली थी कि शेयर में निवेश के नाम पर पैसा लिया गया पर कोई लाभ नहीं मिला। इसके अलावा महमूरगंज के एक मकान में लड़के-लड़कियों के आने जाने की सूचना अभी हमें मिली थी। इसपर हमने रैकी करते हुए गुरुवार को दोपहर बाद वहां छापेमारी की थी। इस छापेमारी वहां टेली कलिंग करने वाली 21 महिला और 9 पुरुष सहित कुल 32 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

डीसीपी ने बताया - ये सभी मिर्जापुर, चंदौली और वाराणसी के रहने वाले हैं। सभी शेयर ट्रेडिंग में निवेश के लिए टेली कलिंग के जरिए ग्राहक फंसाते थे और उन्हें निवेश करवाते थे। ये फर्जी तरीके से एक रिहायशी बिल्डिंग में एनकेडी एन्ड एसोसिएट्स के नाम से फर्म चलाते थे।

पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा का रिजल्ट जारी

76 हजार पास, सामान्य का कट-ऑफ ओबीसी से 7 अंक ज्यादा, अब फिजिकल पास करना होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा का रिजल्ट शुक्रवार को जारी कर दिया गया। 32,679 पदों के लिए आयोजित इस परीक्षा में 76,184 अभ्यर्थी पास हुए हैं। बोर्ड ने कैटेगरी वाइज कट-ऑफ भी जारी कर दी है।

जनरल वर्ग की कट-ऑफ 258.03 और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की 251.63 रही है। यानी जनरल की कट-ऑफ ओबीसी से 7 अंक ज्यादा रही है। हालांकि, ओबीसी की कट-ऑफ EWS से 4 अंक ज्यादा है। वहीं, अनुसूचित जाति (SC) की कट-ऑफ 239.34 और अनुसूचित जनजाति (ST) की 210.10 रही है।

उत्तर प्रदेश पुलिस रिक्रूटमेंट एंड प्रमोशन बोर्ड (UPPRPB) के मुताबिक, अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (DV) और फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट (PST) होगा। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 17 अगस्त से

28.86 लाख आवेदन आए थे, 6.94 लाख ने छोड़ी थी परीक्षा

बोर्ड के मुताबिक, कॉन्स्टेबल और समकक्ष पदों के 32,679 पदों के लिए 28,86,797 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें 19,62,560 पुरुष और 9,24,237 महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। लिखित परीक्षा 8, 9 और 10 जून को प्रदेशभर के परीक्षा केंद्रों पर 6 पालियों में आयोजित की गई थी। इसके लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों के 1,183 केंद्र बनाए गए थे।

शुरू होगा। सितंबर में फिजिकल टेस्ट होगा। इसकी जानकारी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और फिजिकल टेस्ट के बाद फाइनल रिजल्ट जारी किया जाएगा।

भर्ती बोर्ड के अनुसार, तीन दिनों में कुल 21,92,236 अभ्यर्थी शामिल हुए। वहीं करीब 6.94 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। लिखित परीक्षा 300 नंबरों हुई थी। इसमें 150 सवाल पूछे गए थे। हर सवाल 2 नंबर का था। इस बार नेगेटिव मार्किंग व्यवस्था खत्म कर दी गई है।

शारदा नदी में नाव पलटी, 2 लापता, 24 शहरों में बारिश का अलर्ट

यूपी में 10 नदियां उफान पर, हाईवे पर बही गंगा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में मानसून फिर से कमजोर पड़ गया है, लेकिन पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश से गंगा, घाघरा-सरयू समेत 10 नदियां उफान पर हैं। लखीमपुर खीरी में गुरुवार शाम शारदा नदी में नाव पलट गई। नाव सवार 9 लोग बह गए, जिनमें से 7 को बचा लिया गया। 2 की तलाश जारी है।

वहीं, बिजनौर में गंगा नदी का पानी बहसूमा-ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रहा है। पानी के बीच से गाड़ियां निकल रही हैं। रायपुर खादर और मीरापुर सीकरी गांव में सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न हो गई है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। शुक्रवार सुबह से लखनऊ-गोरखपुर समेत 35 शहरों में बादल

छाए हैं। ठंडी हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने आज 24 शहरों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। ललितपुर, मिर्जापुर और सोनभद्र में भारी बारिश हो सकती है। लोगों को जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बना दबाव अब ओडिशा-छत्तीसगढ़ की तरफ बढ़ गया है, जिस वजह से यूपी में मानसूनी गतिविधियों पर ब्रेक लग गया है और सैटेलाइट इमेज में यूपी के करीब 90% हिस्से से मानसूनी बादल गायब दिख रहे हैं।

बादल छाए, 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही

लखनऊ में सुबह से बादल छाए हैं। सतही हवा 20 से 30 किलोमीटर की रफ्तार से चल रही है। इस साल अभी तक मानसून में कुल बरसात 176.4 मिलीमीटर हुई है, लेकिन सामान्य बारिश का औसत 307.4 मिलीमीटर है। यानि अब तक सामान्य से 43 फीसदी कम बारिश हुई है।

सहारनपुर के बिहारीगढ़ क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर की एप्रोच और सर्विस रोड कई स्थानों पर धंसने लगी है। बारिश के बीच एप्रोच रोड पर कई जगह सड़क धंस गई है। सड़क की बजरी उखड़कर मार्ग पर फैल गई है। रसूलपुर कलां और अमानतगढ़ में सर्विस रोड पर जलभराव की स्थिति भी बनी हुई है।

फर्जी ट्रेडिंग कंपनी ऑफिस से 32 गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी साइबर क्राइम टीम ने ट्रेडिंग के बहाने कॉलिंग करके साइबर ठगी करने वाले कॉल सेंटर पर छापेमारी की। साइबर क्राइम ब्रांच के दरोगा और सिपाही खुद ट्रेडर बायर बनकर पहुंचे, पूरे जाल और पैटर्न को समझा फिर 10 करोड़ इनवेस्ट करने की फाइल तैयार करवा ली ।

ट्रैडिंग के ट्रैप में आई युवतियों ने फॉर्म भी भरवा लिया और फर्जी कॉलिंग नंबर भी शेयर कर दिए, इसके बाद टीम ने पूरा माहौल और अधिक आरोपियों पर एक्शन के लिए फोर्स बुला ली । ट्रैडिंग कॉल करने वाले गैंग के 32 कॉलर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसमें 21 युवतियां शामिल हैं। मौके से कंपनी मैनेजर और उसके साथियों को गिरफ्तार कर कंप्यूटर, लैपटॉप और डेटा बरामद किया है।वाराणसी में साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर क्राइम टीम और स्थानीय पुलिस ने भेलूपुर थाना क्षेत्र के महमूरगंज स्थित शाही टावर में संचालित एक संदिग्ध कॉल सेंटर पर छापेमारी की।

घाघरा में नहाने उतरा 18 वर्षीय युवक डूबा, मौत

बाराबंकी में किनारे पड़े चप्पलों से हुई आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी

रामनगर । बाराबंकी के रामनगर तहसील क्षेत्र स्थित तपेसिपाह गांव में शुक्रवार दोपहर घाघरा (सरयू) नदी में नहाने के दौरान 18 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे गोताखोरों ने करीब आधे घंटे की तलाश के बाद युवक का शव नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। रामनगर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत तपेसिपाह निवासी अंजेश कुमार (18) पुत्र सुभाष शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे घर से निकला था। ग्रामीणों के अनुसार, वह कथित तौर पर शराब के नशे में था। भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए वह घाघरा (सरयू) नदी में नहाने उतर गया। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के समय

अंजेश , मृतक

आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे समय रहते उसे बचाया नहीं जा सका। कुछ देर बाद ग्रामीणों की नजर नदी किनारे पड़े युवक के चप्पलों पर पड़ी। संदेह होने पर लोगों ने नदी में उसकी तलाश शुरू की और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोर मौके पर पहुंचे। परिजनों के अनुसार, अंजेश कुमार पिलर ढालने वाली मशीन चलाकर परिवार का भरण-पोषण करने में हाथ बंटाता था। परिवार में माता-पिता और तीन भाई हैं, जिनमें अंजेश दूसरे नंबर पर था।

वारदात : आंत डैमेज होने से मौत, प्रयागराज में राइस मिल में हेल्पर था 16 साल का लड़का

नाबालिग के प्राइवेट पार्ट में एयर कंप्रेसर से भरी हवा

तमसा संकेत, एजेंसी

करछना । प्रयागराज में चार लोगों ने 16 साल के दलित लड़के के प्राइवेट पार्ट में एयर कंप्रेसर से हवा भर दी। इससे उसकी आंत डैमेज हो गई और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। जबकि 2 फरार हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने बताया कि लड़का एक राइस मिल में हेल्पर का काम करता था। गुरुवार सुबह करीब 4 बजे मिल में ही काम करने वाले चार मजदूरों ने किसी बात को लेकर उसके साथ मारपीट की। इसके बाद उसके प्राइवेट पार्ट (मलाशय) में एयर कंप्रेसर की नली डालकर हवा भर

दी। इससे उसका पेट फूल गया। लड़के की तबियत खराब हुई तो आरोपी उसे छोड़कर फरार हो गए। गुरुवार सुबह करीब 5 बजे जब भाई कमरे पर पहुंचा तो उसे जानकारी हुई। उसने लड़के को प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां शाम करीब 7 बजे उसकी मौत हो गई। मामला औद्योगिक थाना क्षेत्र का है।

पुलिस ने मिल में जाकर वहां के मजदूरों से बात की। पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा है।

बड़े भाई के साथ मिल में काम करता था

मेजा थाना क्षेत्र के हरगढ़ कोहड़ार निवासी भीम गौतम के दो बेटे और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी ममता की शादी हो चुकी है जबकि छोटी बेटी रानी घर पर हो रहती है। जबकि बड़ा बेटा अंशू और छोटा बेटा अंश औद्योगिक इलाके के एक एफटी राइस मिल में करते थे। बड़ा बेटा दिन और छोटा रात में ड्यूटी करता था।

बुधवार की रात उनका छोटा बेटा अंश ड्यूटी पर गया था। बड़ा भाई कमरे पर सो रहा था। गुरुवार सुबह करीब 5 बजे मिल में काम करने वाले दो लड़के बड़े भाई के पास कमरे में पहुंचे। उन्होंने बताया कि अंश की तबियत खराब हो गई है। यह सुनकर अंशू मिल पहुंचा। उसने देखा कि अंश जमीन पर पड़ा हुआ तड़प रहा था। उसका पेट फूला हुआ था। प्राइवेट पार्ट में प्रेशर की एयर पाइप लगी हुई थी। वह उसे शहर के एक प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचा।

इलाज के दौरान अस्पताल में तोड़ा दम

गुरुवार शाम करीब 7 बजे इलाज के दौरान अंश की मौत हो गई। घरवालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह और थाना प्रभारी औद्योगिक कमलेश राइस मिल पहुंचे। यहां लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घरवालों ने अभी तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

आज इतिहास का काला दिन जज तक पहुंचने की कोशिश की गई

900 करोड़ के कोडीन केस से खुद को अलग किया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । 'जमानत के लिए जज तक पहुंच बनाने की कोशिश की गई। ऐसे प्रयास न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर सीधा हमला है। इन्हें किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। ये न्यायपालिका के इतिहास का काला दिन है।'

ये टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज कृष्ण पहल ने गुरुवार को कोडीन कफ सिरप मामले में की। उन्होंने आरोपी भोला प्रसाद की जमानत अर्जी समेत 80 याचिकाओं को चीफ जस्टिस के पास भेज दिया और खुद को सभी केस से अलग कर लिया। जज कृष्ण पहल ने सुनवाई शुरु करते ही कहा- फैसला सुरक्षित रखे जाने के बाद आरोपियों ने पीठासीन न्यायाधीश तक निजी तौर पर पहुंच बनाने का प्रयास किया। उन्होंने इसे न्यायिक मर्यादा पर आघात बताते हुए कहा, ऐसी प्रवृत्ति

न्यायालय परिसर में किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती। भोला प्रसाद, कोडीन कफ सिरप गैंग के सरगना शुभम जायसवाल का पिता है। शुभम फरार है। उसे भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। अब अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। दरअसल, कोडीन कफ सिरफ केस में करीब 80 आरोपियों ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। इनकी एक साथ सुनवाई के लिए कोर्ट ने गुरुवार तारीख 30 जुलाई और समय सुबह 10 बजे तय की थी। आरोपियों के वकीलों के साथ ही राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी और एजीए प्रथम परितोष कुमार मालवीय भी मौजूद थे।

सुनवाई शुरू होते ही कोर्ट ने कहा- सुनवाई पूरी होने के बाद आदेश सुरक्षित रखा जा सकता था, लेकिन बाद में आरोपियों द्वारा पीठासीन न्यायाधीश तक पहुंच बनाने और संपर्क के प्रयास किए गए। कोर्ट ने कहा कि यदि ऐसे आचरण को नजरअंदाज किया गया तो यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता की जड़ों को कमजोर करेगा और आम जनता का न्याय व्यवस्था पर विश्वास डगमगा जाएगा।

लक्ष्मी आजीविका स्वयं सहायता समूह की खाद को मिली सराहना, वड्डूपुर पहुंचकर डीएम ने परखी गुणवत्ता

बॉटम ऐश से जैविक खाद तैयार कर रही महिलाओं की पहल

निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। एनटीपीसी से निकलने वाली बॉटम ऐश का उपयोग कर तैयार की जा रही जैविक खाद की पहल को बढ़ावा देने के लिए जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने शुक्रवार को टांडा विकासखंड की ग्राम पंचायत वड्डूपुर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने लक्ष्मी आजीविका स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार की जा रही जैविक खाद की गुणवत्ता देखी और समूह की महिलाओं के प्रयासों की सराहना की। समूह की अध्यक्ष सुमित्रा यादव ने बताया कि जैविक खाद निर्माण का प्रशिक्षण उन्होंने बेगूसराय, बिहार से प्राप्त किया है। इसके बाद समूह की महिलाओं के सहयोग से एनटीपीसी द्वारा उत्सर्जित बॉटम ऐश से उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद तैयार की जा रही है। वड्डूपुर भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत स्थित पंचायत लर्निंग सेंटर में संचालित डिजिटल लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लाइब्रेरी में अध्ययन कर रहे बच्चों से संवाद कर उपलब्ध सुविधाओं, डिजिटल शिक्षण संसाधनों और उनकी पढ़ाई की तैयारियों के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने बच्चों को नियमित अध्ययन करने और डिजिटल लाइब्रेरी में उपलब्ध संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करने की सलाह दी। निरीक्षण के दौरान समूह की महिलाओं ने जैविक खाद तैयार करने की प्रक्रिया और उससे जुड़े कार्यों की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने समूह की गतिविधियों को देखा और उत्पादन से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली।

महिलाओं की पहल से आजीविका और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा

जिलाधिकारी ने तैयार की गई जैविक खाद का अवलोकन कर उसकी गुणवत्ता की जानकारी ली। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की इस पहल को ग्रामीण आजीविका संवर्धन और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने समूह की महिलाओं को भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण उत्पादन बनाए रखने और खाद के बेहतर विपणन की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

एनटीपीसी क्षेत्र के किसानों को जोड़ने की तैयारी

जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि विकासखंड स्तर पर उपायुक्त स्वतः रोजगार की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यशाला आयोजित कराई जाए। इसमें किसानों को जैविक खाद के उपयोग और इसके लाभों के बारे में जानकारी दी जाए।

उन्होंने विशेष रूप से एनटीपीसी के आसपास के गांवों के किसानों को इस खाद की खरीद और उपयोग के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक किसान जैविक खेती की ओर बढ़ सकें।

जलालपुर पुलिस ने एक्सप्रेसवे मार्ग पर पकड़ी 2.50 लाख की खेप

कार में छिपाकर ले जा रहे थे 282 बोतल अंग्रेजी शराब, दो तस्कर गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। चंडीगढ़ से अवैध तरीके से शराब की खेप बिहार पहुंचाने की कोशिश कर रहे दो तस्करों को जलालपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से 211 लीटर (282 बोतल) अंग्रेजी शराब, तस्करी में इस्तेमाल की गई कार, तीन मोबाइल फोन और नकदी बरामद की है। बरामद शराब की कीमत करीब 2.50 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की। न्यायालय में पेश करने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया।

जलालपुर पुलिस गुरुवार देर शाम सुरहुरपुर-जलालपुर मार्ग पर चौबेपुर के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे से सुरहुरपुर रोड की ओर आ रही एक कार पुलिस की नजर में आई।

पुलिस टीम ने कार को रोककर तलाशी ली तो उसमें अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप मिली। कार से कुल 282 बोतल शराब बरामद होने के बाद पुलिस ने दोनों सवारों को हिरासत में ले लिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि बरामद शराब केवल चंडीगढ़ राज्य में बिक्री के लिए अधिकृत थी। आरोपित इसे वहां से अवैध तरीके से बिहार ले जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, शराब तस्करी का उद्देश्य अधिक लाभ कमाना था। बरामदगी के बाद शराब, कार और अन्य सामान को पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान संदीप कुमार निवासी थाना सेक्टर-31, फेज प्रथम, चंडीगढ़ और मूल रूप से थाना बास क्षेत्र के उगालन, हिसार (हरियाणा) तथा विकास कुमार सिंह निवासी सेक्टर-31, फेज द्वितीय, राजदरबार, चंडीगढ़ के रूप में हुई है।

पुलिस ने दोनों के पास से शराब के अलावा तीन मल्टीमीडिया मोबाइल फोन और 1240 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। उपनिरीक्षक विवेक कुमार मिश्र की तहरीर पर दोनों आरोपितों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

फास्ट न्यूज

गांव-गांव पहुंची विधिक जागरूकता मुहिम

अम्बेडकरनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जन शिक्षण केंद्र की ओर से जलालपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत करमिसिरपुर, भस्मा और सुरहुरपुर में विधिक जागरूकता बैठकें आयोजित की गईं। कार्यक्रम में ग्रामीणों को स्थायी लोक अदालत की व्यवस्था, उसके अधिकार क्षेत्र और विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई।

मां का साया बचपन में छूटा

अंबेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के कालूपुर गांव की रहने वाली निधि उपाध्याय का शैक्षणिक सफर संघर्ष और निरंतरता की कहानी है। जन्म के समय ही मां का निधन हो गया। इसके बाद बचपन से ही घर की जिम्मेदारियों के साथ पिता के खेती-किसानी के काम में सहयोग करना पड़ा। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने पढ़ाई का सिलसिला नहीं टूटने दिया। इंटरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान निधि रोज करीब 25 किलोमीटर साइकिल चलाकर विद्यालय पहुंचती थीं। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की। साथ ही आजमगढ़ के कॉलेज की मेधा सूची में भी स्थान बनाया।

सड़क सुरक्षा सद्भावना कप: डॉक्टर्स इलेवन की लगातार दूसरी जीत

अम्बेडकरनगर। आराध्या श्री फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित सड़क सुरक्षा सद्भावना कप के दूसरे मुकाबले में डॉक्टर्स इलेवन ने क्रिएटर्स चैंपियन्स अंबेडकरनगर को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। मुकाबला विशाल क्रिकेट एकेडमी में खेला गया।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर मेडिकल कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम

विशेषज्ञों ने तनाव और डिप्रेशन से बचाव के बताए उपाय

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशों के क्रम में महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर में गुरुवार को मानसिक स्वास्थ्य एवं वेलबीइंग कमेटी की ओर से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन और मानसिक समस्याओं के उपचार की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य डिप्रेशन, एंजायटी, फोबिया, डिसोसिएटिव डिसऑर्डर और अन्य तनाव संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों और कर्मचारियों को सकारात्मक सोच विकसित करने और मानसिक परेशानियों के शुरुआती लक्षणों को पहचानने के बारे में बताया।

मानसिक रोग विशेषज्ञ और सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में मानसिक तनाव और नकारात्मक विचारों की समस्या बढ़ रही है। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना जरूरी है। उन्होंने बताया कि यदि मन लगातार उदास रहता है, नकारात्मक विचार आते हैं और इसका असर 15 दिन से अधिक समय तक कार्यशैली, खानपान या दैनिक जीवन पर पड़ रहा है तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में परिवार, दोस्तों या रिश्तेदारों से बातचीत करनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर मानसिक रोग विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए।

दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को मिली बीमा राशि

एसपी प्राची सिंह ने सौंपे 3.50-3.50 लाख रुपये के चेक

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस की कल्याणकारी योजनाओं के तहत शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), प्रयागराज की ओर से स्वीकृत बीमा धनराशि के मल्टीसिटी चेक प्रदान किए। कार्यक्रम का उद्देश्य दिवंगत पुलिस-कर्मियों के परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना था।

पुलिस अधीक्षक ने मुख्य आरक्षी स्वर्गीय अजय कुमार सिंह और आरक्षी स्वर्गीय कुलदीप कुमार बौद्ध के आश्रित परिवारों को बीमा राशि के चेक सौंपे। दोनों मामलों में भारतीय जीवन बीमा निगम, प्रयागराज की ओर से 3.50 लाख रुपये की बीमा धनराशि स्वीकृत की गई थी। यह राशि संबंधित पुलिस-कर्मियों की आश्रित पत्नियों को प्रदान की गई। पुलिस विभाग की ओर से संचालित कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य सेवा के दौरान या सेवा अवधि में दिवंगत होने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों को आर्थिक संबल उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में एलआईसी द्वारा स्वीकृत बीमा धनराशि आश्रितों को उपलब्ध कराई गई। पुलिस अधीक्षक ने चेक वितरण के दौरान आश्रित परिवारों से बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस अपने कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जरूरत के समय हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है।

पुलिस कल्याण योजनाओं के तहत एलआईसी प्रयागराज ने स्वीकृत की बीमा धनराशि, आश्रित परिवारों को मिला आर्थिक सहयोग

दलित किशोरी से दुष्कर्म मामले में दोषी को उम्रकैद

विशेष पॉक्सो कोर्ट ने लगाया 40 हजार रुपये जुर्माना

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जैतपुर क्षेत्र में दलित किशोरी से दुष्कर्म के मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मोहन कुमार की अदालत ने आरोपी आनंद सिंह उर्फ झिनक सिंह को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर कुल 40 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अदालत ने आरोपी को एससी-एसटी एक्ट के तहत आजीवन कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं दुष्कर्म के अपराध में 20 वर्ष के सश्रम कारावास सहित अन्य धाराओं में भी अलग-अलग सजाएं सुनाई गईं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना 11 सितंबर 2020 की है। जैतपुर क्षेत्र के भिटौरा दक्षिण निवासी आरोपी आनंद सिंह उर्फ झिनक सिंह पर आरोप था कि उसने घर के बाहर मौजूद दलित किशोरी का मुंह दबाकर उसे झाड़ियों में खींच लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोप के मुताबिक, विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस विवेचना पूरी होने के बाद आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान पीड़िता समेत अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए गए और अभियोजन पक्ष की ओर से संबंधित साक्ष्य न्यायालय के सामने प्रस्तुत किए गए।

मत्स्य पालकों को मिली नई तकनीक की जानकारी, योजनाओं का लाभ लेने पर जोर

तालाबों से बढ़ेगी आय

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने और पालकों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से शुक्रवार को महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में एक दिवसीय कार्यशाला और जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मत्स्य पालकों, प्रगतिशील किसानों और पट्टा धारकों को वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन, सरकारी योजनाओं और आय बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मत्स्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार डॉ. संजय कुमार निषाद ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, उप निदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, उप निदेशक मत्स्य मुख्यालय लखनऊ, उप निदेशक मत्स्य अयोध्या मंडल अयोध्या, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य अम्बेडकरनगर और मत्स्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और निषाद राज वोट सब्सिडी योजना के लाभार्थियों को डेमो चेक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके अलावा मत्स्य पालक कल्याण कोष योजना के तहत लाभार्थियों को मोपेड विद आइस बॉक्स वितरित किए गए।

मत्स्य पालकों को योजनाओं से जुड़ने की अपील

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मत्स्य मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने मत्स्य पालकों से सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र मत्स्य पालकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक प्रबंधन के माध्यम से मत्स्य उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए पालकों को प्रशिक्षण और योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना जरूरी है।

कार्यशाला का उद्देश्य जिले के मत्स्य पालकों और किसानों को सरकार की योजनाओं से जोड़ना और उन्हें आधुनिक मत्स्य पालन के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को शासन की लाभकारी योजनाओं और उनके आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

डिजिटल पुलिसिंग में अंबेडकरनगर का जलवा

सीसीटीएनएस रैंकिंग में यूपी में नंबर-1

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। डिजिटल पुलिसिंग के क्षेत्र में अंबेडकरनगर पुलिस ने प्रदेश स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पुलिस तकनीकी सेवाएं मुख्यालय की ओर से जारी जून-2026 की सीसीटीएनएस प्रगति रैंकिंग में अंबेडकरनगर को उत्तर प्रदेश में पहला स्थान मिला है। तकनीकी सेवाओं के प्रभावी उपयोग और बेहतर प्रदर्शन के आधार पर जिले ने यह मुकाम हासिल किया।

सीसीटीएनएस प्रगति रैंकिंग में पुलिस विभाग के तकनीकी कार्यों का मूल्यांकन किया जाता है। इसमें सीसीटीएनएस यूसेज, आईसीजेएस सर्च, विभिन्न पुलिस पोर्टलों के उपयोग और नाफिस यूसेज जैसे महत्वपूर्ण मानकों को शामिल किया गया था। अंबेडकरनगर पुलिस ने इन सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

अंबेडकरनगर पुलिस की ओर से डिजिटल माध्यमों के उपयोग को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। अपराधों की विवेचना में तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल, पुलिस अभिलेखों का डिजिटलीकरण और नागरिक सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। सीसीटीएनएस व्यवस्था के माध्यम से पुलिस कार्यों को अधिक व्यवस्थित और तकनीक आधारित बनाने में मदद मिल रही है।

एसपी ने टीम के प्रयासों को बताया महत्वपूर्ण

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि डिजिटल पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग, अभिलेखों के डिजिटलीकरण और पुलिस सेवाओं को प्रभावी बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमवर्क, तकनीकी दक्षता और निरंतर प्रयासों से हासिल हुई है। सभी स्तरों पर तकनीकी मानकों के अनुसार कार्य करने का परिणाम प्रदेश में पहला स्थान के रूप में सामने आया है।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर मेडिकल कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम

विशेषज्ञों ने तनाव और डिप्रेशन से बचाव के बताए उपाय

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशों के क्रम में महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर में गुरुवार को मानसिक स्वास्थ्य एवं वेलबीइंग कमेटी की ओर से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन और मानसिक समस्याओं के उपचार की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य डिप्रेशन, एंजायटी, फोबिया, डिसोसिएटिव डिसऑर्डर और अन्य तनाव संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों और कर्मचारियों को सकारात्मक सोच विकसित करने और मानसिक परेशानियों के शुरुआती लक्षणों को पहचानने के बारे में बताया। मानसिक रोग विशेषज्ञ और सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में मानसिक तनाव और नकारात्मक विचारों की समस्या बढ़ रही है। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना जरूरी है। उन्होंने बताया कि यदि मन लगातार उदास रहता है, नकारात्मक विचार आते हैं और इसका असर 15 दिन से अधिक समय तक कार्यशैली, खानपान या दैनिक जीवन पर पड़ रहा है तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में परिवार, दोस्तों या रिश्तेदारों से बातचीत करनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर मानसिक रोग विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए।

जिला स्तरीय समिति की बैठक : लंबित कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश

स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत जिले में चल रहे कार्यों की समीक्षा को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने की। बैठक में मिशन से जुड़े विभिन्न योजनाओं और कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित कार्यों को समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, लाभार्थियों के लंबित आवेदनों का सत्यापन, वित्तीय प्रगति, सामुदायिक शौचालयों के संचालन और रखरखाव समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। इसके अलावा ओडीएफ प्लस मॉडल ग्रामों की स्थिति, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, आरआरसी (रिसोर्स रिकवरी सेंटर), कचरा वाहनों के संचालन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन और फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विकासखंडों में स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा, ताकि स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित ग्रामों के निर्माण की दिशा में प्रभावी परिणाम सामने आ सकें।

स्वच्छता मानकों के शत-प्रतिशत पालन के निर्देश

मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वच्छ भारत मिशन के सभी निर्धारित मानकों का प्रभावी तरीके से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लंबित सत्यापन और स्वीकृति की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सामुदायिक शौचालयों का नियमित संचालन और बेहतर रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। साथ ही ओडीएफ प्लस मॉडल ग्रामों में स्वच्छता व्यवस्था की गुणवत्ता बनाए रखने और ग्राम पंचायत स्तर पर ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनभागीदारी का अभियान है। उन्होंने ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए 'मेरा प्लास्टिक, मेरी जिम्मेदारी' अभियान को अधिक सक्रिय रूप से संचालित करने और इसमें अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा।

श्रावण और कांवड़ यात्रा पर प्रशासन का सुरक्षा कवच

पूरे जिले में हाई अलर्ट, 96 मजिस्ट्रेट संभालेंगे मोर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान जिले में शांति, सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और प्रमुख शिवालयों में संभावित भीड़ को देखते हुए पूरे जिले को नौ जोन में विभाजित किया गया है। कानून-व्यवस्था पर नजर रखने के लिए 09 जोनल, 78 सेक्टर और 09 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। साथ ही, किसी भी आपात स्थिति या सूचना पर तत्काल कार्रवाई के लिए 24 घंटे संचालित कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बताया कि इस वर्ष श्रावण मास 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026 (रक्षाबंधन) तक मनाया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में शिवभक्त और कांवड़िये विभिन्न पवित्र स्थलों से गंगाजल एवं अन्य पवित्र जल लेकर जिले के शिवालयों और मंदिरों में भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। विशेष रूप से श्रावण के प्रत्येक सोमवार और अन्य धार्मिक अवसरों पर मंदिरों में श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ रहने की संभावना है।

श्रावण मास के दौरान कानून-व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन ने पूरे जिले को 09 जोन में विभाजित किया है। प्रत्येक जोन में एक जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है।

सम्पादकीय

बल प्रयोग की सीमा

कॉंकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा को एक खास एजेंडे के तहत किस तरह अपने संकीर्ण स्वार्थों की पूर्ति के लिए भुनाने की कोशिश हो रही है, इसका ही प्रमाण है सुप्रीम कोर्ट में पैलेट गन के इस्तेमाल पर पाबंदी की मांग वाली याचिका। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मांग को ठुकराते हुए यह भी कहा कि असाधारण परिस्थितियों में पैलेट गन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

पता नहीं इस टिप्पणी से वे लोग हतोत्साहित होंगे या नहीं, जो यह सिद्ध करने में लगे हैं कि सीजेपी का संसद मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण था और पुलिस ने अकारण बल प्रयोग किया, लेकिन इसकी अनदेखी न की जाए कि प्रदर्शनकारियों में शामिल कुछ तत्व बैरिकेडिंग तोड़कर संसद में घुसने की चेष्टा कर रहे थे और इस क्रम में उन्होंने पुलिस पर पथराव भी किया। संभवतः इसी के चलते वे परिस्थितियां पैदा हुईं, जिनमें पुलिस और अर्धसैनिक बलों को भीड़ के खिलाफ बल प्रयोग करना पड़ा। इस बल प्रयोग पर सवाल उठाने वालों को बताना चाहिए कि बिना अनुमति संसद मार्च निकाल रही भीड़ संसद घेर कर अथवा उसके परिसर में घुस कर क्या करती? क्या शिक्षा और परीक्षा सुधार पर चर्चा? शायद वह वैसा ही कुछ करती, जैसा उसने कृषि कानून विरोधी आंदोलन के दौरान लाल किले पर धावा बोलकर किया था। उस समय अराजक भीड़ ने पुलिस वालों को पीटा भी था।

क्या यह सच नहीं कि सीजेपी के संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए। तथ्य यह भी है कि अराजक भीड़ ने कुछ पत्रकारों को पीटा और एक महिला पत्रकार से छेड़छाड़ भी की। इसके अलावा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान भी पहुंचाया। इस सबकी अनदेखी कर केवल यह सिद्ध करने की कोशिश करना शरारत ही है कि पुलिस ने भीड़ पर अकारण और अनावश्यक बल प्रयोग किया।

अनियंत्रित भीड़ के खिलाफ बल प्रयोग के दौरान पुलिस से कुछ ज्यादती हो सकने से इन्कार नहीं, लेकिन इसका पता किसी जांच से ही चलता है, भाषणों और याचिकाओं से नहीं। जांच की मांग में कोई हर्ज नहीं, लेकिन यह ध्यान रखा जाए कि हिंसा फैलाने पर आमादा अनियंत्रित भीड़ के खिलाफ कब और कितना बल प्रयोग हो, इसका फैसला भीड़ का सामना कर रहे सुरक्षा कर्मी ही बेहतर ढंग से कर सकते हैं।

स्पष्ट है कि इस मामले में प्रदर्शनकारियों के साथ ही पुलिस कर्मियों का भी पक्ष सुना जाना चाहिए। पैलेट गन के इस्तेमाल की पाबंदी की मांग कर उनके हाथ बांधने की जो कोशिश की जा रही, वह ठीक नहीं। वास्तव में इसी मांग के तहत ही यह कहा जा रहा है कि हिंसा में शामिल आपराधिक रिकार्ड वाले तत्वों के खिलाफ भी कोई कार्रवाई न की जाए। यह अराजक तत्वों को संरक्षण देने के अलावा और कुछ नहीं।

पशुधन संरक्षण, गौसंवर्धन और ग्रामीण समृद्धि की उल्लेखनीय प्रगति

> पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन तकनीकों, संतुलित आहार, रोग प्रबंधन और डेयरी संचालन संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। इन प्रयासों से पशुपालकों की दक्षता बढ़ी है और वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा मिला है।

पशु चिकित्सा विभाग लखनऊ जनपद में पशुधन संरक्षण, पशु स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, गौसंवर्धन, डेयरी विकास तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विगत 09 वर्षों में विभाग ने पशुपालकों की आय वृद्धि, पशुधन उत्पादकता बढ़ाने, निराश्रित गोवंश संरक्षण तथा विभिन्न पशुधन विकास योजनाओं के के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। विभाग की योजनाएं केवल उपचार सेवाओं तक सीमित न रहकर पशुधन आधारित आजीविका, संरक्षण और समावेशी विकास का मजबूत माध्यम बनकर उभरी हैं।

पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशुओं के उपचार, टीकाकरण, रोग नियंत्रण तथा कृत्रिम गर्भाधान जैसी सेवाओं के माध्यम से पशुधन को सुरक्षित और उत्पादक बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। खुरपका-मुंहपका, ब्रूसेलोसिस तथा अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु व्यापक टीकाकरण अभियान चलाए गए, जिससे पशुधन संरक्षण को बल मिला है। निराश्रित बेसहारा गौवंश संरक्षण योजना के अंतर्गत जनपद लखनऊ में पिछले 09 वर्षों में 31,343 गौवंशों का संरक्षण 101 गौ आश्रय स्थलों में किया गया है। यह उपलब्धि गौसंरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण, पोषण और उपचार के लिए आश्रय स्थलों की स्थापना तथा संचालन ने पशु कल्याण और सामाजिक सहभागिता दोनों को बढ़ावा दिया है।

गौसंरक्षण को और मजबूत बनाने की दिशा में वृहद गौ संरक्षण केंद्र निर्माण योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में जनपद लखनऊ में 14 वृहद गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण रु. 16.11 करोड़ की लागत से कराया गया है। यह आधारभूत संरचना न केवल निराश्रित गोवंश संरक्षण को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि पशु कल्याण की स्थायी व्यवस्था भी विकसित कर रही है। इन केंद्रों के निर्माण से गोवंश संरक्षण के लिए व्यवस्थित और दीर्घकालिक व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। दुग्ध उत्पादन संवर्धन और पशुपालकों की आय बढ़ाने की दिशा में नंदिनीधमनी नंदिनी योजना भी महत्वपूर्ण रही है। इस योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में जनपद लखनऊ में 09 लाभार्थियों को मिनी नंदिनी योजना का लाभ प्रदान किया गया है। यह योजना डेयरी गतिविधियों को बढ़ावा देकर स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित कर रही है। इसी प्रकार नेशनल लाइव स्टॉक मिशन के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में जनपद लखनऊ में 09 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। इस मिशन के माध्यम से पशुधन आधारित आजीविका, नस्ल सुधार, उत्पादन क्षमता वृद्धि और आधुनिक पशुपालन को प्रोत्साहन मिला है। यह मिशन पशुधन क्षेत्र में नवाचार और उत्पादकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

कुक्कुट विकास योजना 2022 के अंतर्गत भी जनपद लखनऊ में 09 लाभार्थियों को लाभ प्रदान किया गया है। इस योजना ने मुर्गी पालन को स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के स्रोत के रूप में प्रोत्साहित किया है। विशेषकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए कुक्कुट पालन आर्थिक सशक्तीकरण का प्रभावी साधन बनकर उभरा है।

नस्ल सुधार के क्षेत्र में कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली नस्लों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि और पशुपालकों की आय में सुधार देखने को मिला है। विभाग द्वारा पशुधन को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

पशु चिकित्सा विभाग द्वारा मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स तथा ग्रामीण पशु स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से दूरस्थ क्षेत्रों तक उपचार सुविधा पहुंचाई गई है। समय पर उपचार और आपातकालीन सेवाओं ने पशुधन हानि को कम करने में सहायता की है।

लखनऊ में पशुपालन आधारित आजीविका को सशक्त बनाने के लिए डेयरी, बकरी पालन तथा कुक्कुट पालन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है और किसानों की आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित हुए हैं।

महिला सशक्तीकरण में भी पशुपालन योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। महिलाओं को डेयरी और लघु पशुपालन गतिविधियों से जोड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित किया गया है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से भी इन योजनाओं को गति मिली है।

पशु चिकित्सा विभाग द्वारा चारा विकास, पशु पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों पर भी विशेष बल दिया गया है। संतुलित पोषण और वैज्ञानिक प्रबंधन से पशुओं की उत्पादकता और स्वास्थ्य दोनों में सुधार हुआ है।

यदि उपलब्धियों को समग्र रूप में देखें तो गौसंरक्षण, पशुधन विकास, डेयरी प्रोत्साहन, कुक्कुट पालन और आधारभूत संरचना विकास जैसे क्षेत्रों में विभाग ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 31,343 गौवंश संरक्षण, 101 गौ आश्रय स्थल, 14 वृहद गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण, 16.11 करोड़ रुपये की लागत से आधारभूत संरचना विकास, तथा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को सहायता विभाग की सक्रिय कार्यप्रणाली को दर्शाती है।

विभाग की सफलता में नियमित मॉनिटरिंग, पारदर्शी क्रियान्वयन और योजनाओं की सतत समीक्षा की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समय-समय पर निरीक्षण और समीक्षा के माध्यम से योजनाओं की प्रभावशीलता सुनिश्चित की गई है।

आज पशु चिकित्सा विभाग लखनऊ केवल पशु उपचार तक सीमित न रहकर पशुधन आधारित आर्थिक विकास, सामाजिक सहभागिता और ग्रामीण समृद्धि का प्रमुख माध्यम बन चुका है। विभाग की योजनाएं किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण परिवारों को सशक्त बना रही हैं।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि पशु चिकित्सा विभाग लखनऊ ने विगत 09 वर्षों में पशुधन संरक्षण, गौसंवर्धन और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। निराश्रित गौवंश संरक्षण योजना, मिनी नंदिनी योजना, नेशनल लाइव स्टॉक मिशन, कुक्कुट विकास योजना तथा वृहद गौ संरक्षण केंद्र निर्माण जैसी पहलें विभाग की प्रभावी कार्यशैली और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

– आदर अदीब पावेल बन्धु

कुरीति और रूढ़ियों से सुदृढ़ वर्तमान की और

छूटना और छोड़ना दो विपरीत शब्द है । छूटने में भावधारा उसके साथ नहीं जुड़ी होती हैं, जबकि छोड़ना अंतरमन की गहराइयों से ,अनासक्ति की चेतना आदि -आदि से होता है।हमारे द्वारा दृढ़ मनोबल की प्रवृति के बिना ऊपर ऊपर से छूटना माया है ।वह अपने मन के साथ छलावा है। वह जहां असक्ति जुड़ी रहती है,वहां छूटने की बात होती है,छूटता नहीं है। मन से छोड़ना त्याग है, विराग है । वह जिससे मन को आंनद मिलता है और बाध्यता से छुड़वाने से बार - बार उसके लिए मन मचलता है। आचार्य श्री तुलसी एक युगपुरुष और युगप्रधान संत थे । जिन्होंने तेरापंथ धर्मसंघ को न केवल भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रसिद्धि दिलाई। उन्होंने धर्म को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया और उन्होंने तेरापंथ को नवीन दिशा दी। वह कितनों का उन्होंने कल्याण किया । वे केवल आचार्य नहीं, बल्कि एक समाज सुधारक, विचारक, और मानवीय मूल्यों के मसीहा थे। आचार्य श्री तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन, प्रेक्षाध्यान और जीवन विज्ञान आदि- आदि जैसे महत्त्वपूर्ण अभियानों का सूत्रपात किया, जो आज भी नैतिकता, मानसिक शांति और समग्र विकास आदि- आदि की प्रेरणा देते हैं। उनके द्वारा स्थापित अणुव्रत ने एक आन्दोलन का रूप ले जाति, धर्म, और सम्प्रदाय आदि- आदि की सीमाओं से ऊपर उठकर चारित्रिक मूल्यों को सशक्त किया था । उन्होंने जीवन विज्ञान के माध्यम से शैक्षिक जगत में व्यक्तित्व निर्माण और समाज सुधार आदि - आदि की नई दृष्टि दी। धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में उन्होंने सदैव सजीवता और सच्चाई का साथ दिया। उनका मानना था कि सच्चे धर्म का वास मनुष्य के अंतःकरण में होता है। उन्होंने रूढ़ियों का खंडन करते हुए धर्म के मूल स्वरूप को उजागर किया और समाज में मानवता का संदेश फैलाया।उन्होंने नारी शिक्षा, संस्कार निर्माण, सामाजिक बुराइयों का बहिष्कार, और धार्मिक सहिष्णुता आदि - आदि के लिए सतत् प्रयास किए। आचार्य श्री तुलसी के कार्यों का एक विशेष पहलू उनका नेतृत्व और दूरदर्शिता है, जिसके कारण तेरापंथ धर्मसंघ का सर्वांगीण विकास संभव हुआ।

› प्रदीप छाजेड़

पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प...

अशोक भाटिया

सामाजिक सद्भाव की परीक्षा और नेपाल सरकार की विफलता

नेपाल, जिसे दुनिया बुद्ध की शांति-भूमि और बहुसांस्कृतिक सह-अस्तित्व के एक अनुपम उदाहरण के रूप में जानती है, आज एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक संकट के मुहाने पर खड़ा है। भारत के बिहार राज्य की सीमा से सटे सुनसरी जिले के कप्तानगंज से शुरू हुई चिंगारी ने देखते ही देखते मधेश और कोशी प्रांत के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। सावन के पवित्र महीने में पारंपरिक बोलबम/कांवड़ यात्रा के दौरान लाउडस्पीकर बजाने और धार्मिक झंडों के प्रदर्शन को लेकर उपजा एक मामूली सा विवाद आज एक भयावह सांप्रदायिक हिंसा का रूप अख्तियार कर चुका है। इस हिंसा में अब तक तीन बेगुनाह नागरिकों—ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव—की जान जा चुकी है, जबकि दर्जनों सुरक्षाकर्मी और आम नागरिक गंभीर रूप से घायल हैं। कई जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू, इंटरनेट सेवाओं पर आंशिक पाबंदी और सड़कों पर गश्त करती सेना इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि नेपाल का सामाजिक ताना-बाना इस समय अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। यह विवाद 26 जुलाई 2026 की रात सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण नगरपालिका के कप्तानगंज इलाके में तब शुरू हुआ, जब दो अलग-अलग समुदाय अपने धार्मिक आयोजन कर रहे थे। एक पक्ष की

धार्मिक यात्रा के दौरान लाउडस्पीकर की आवाज और प्रतीकों के प्रदर्शन को लेकर दोनों गुटों में तीखी बहस हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। स्थानीय प्रशासन और खुफिया तंत्र की घोर लापरवाही के कारण इस शुरुआती विवाद को समय रहते शांत नहीं किया जा सका। स्थिति तब और अनियंत्रित हो गई जब उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग और गोलीबारी का सहारा लेना पड़ा, जिसमें एक स्थानीय युवक की मौत हो गई। इस मौत की खबर आग की तरह फैली और इसने सुलगते असंतोष को पूरे क्षेत्र में भड़का दिया। इसके बाद हिंसा का यह दौर सुनसरी से निकलकर सिराहा, धनुषा, पर्सा और जनकपुरधाम जैसे प्रमुख व्यावसायिक और सांस्कृतिक केंद्रों तक पहुंच गया। कई स्थानों पर आगजनी, तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आईं, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया है। दरअसल यह हिंसा केवल दो समुदायों की आपसी कट्टरता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह नेपाल के प्रशासनिक और सुरक्षा तंत्र की एक बहुत बड़ी विफलता है। सुरक्षा मामलों के जानकारों और पूर्व अधिकारियों का भी मानना है कि सुनसरी की घटना से काफी पहले ही तराई के इलाकों में सांप्रदायिक तनाव के स्पष्ट संकेत मिल रहे थे। लेकिन स्थानीय प्रशासन, नेपाल पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने इन चेतावनियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। जब कोई संवेदनशील धार्मिक त्योहार या यात्रा आयोजित होती है, तो प्रशासन का यह प्राथमिक कर्तव्य होता है कि वह पहले से ही दोनों पक्षों के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बैठकें करे, रूट तय करे और लाउडस्पीकर जैसे संवेदनशील मुद्दों पर कड़े नियम लागू करे। कप्तानगंज में ऐसा कोई पूर्व-नियोजित प्रयास दिखाई नहीं दिया। इसके अलावा, जब हिंसा भड़की, तो केंद्र सरकार की ओर से त्वरित राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप बेहद देरी से हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' सहित कई सांसदों ने संसद में सरकार को आड़े हाथों लेते हुए सवाल उठाया है कि जब मधेश जल रहा था, तब देश के शीर्ष नेतृत्व ने सर्वदलीय बैठक और शांति बहाली के प्रयासों में इतनी देरी क्यों की। तराई-मधेश क्षेत्र में भड़की इस हिंसा का प्रभाव केवल नेपाल की आंतरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने भारत-नेपाल की खुली सीमा की संवेदनशीलता और दोनों देशों के बीच चलने वाले द्विपक्षीय व्यापारिक गलियारे के सामने भी गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। सुनसरी, पर्सा और सिराहा जैसे अशांत जिले भारत के बिहार राज्य के सीमावर्ती इलाकों से सीधे जुड़े हुए हैं। इस भू-राजनीतिक जुड़ाव के कारण नेपाल में उपजा कोई भी सांप्रदायिक या सामाजिक तनाव बहुत तेजी से सीमा पार भारतीय क्षेत्रों को भी प्रभावित कर सकता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में अचानक बढ़े इस तनाव को देखते हुए भारत के सशस्त्र सीमा बल और नेपाल सशस्त्र पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रहना पड़ रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच नागरिकों की सामान्य आवाजाही और आपसी सामाजिक रिश्ते प्रभावित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में ...

केवल राम

प्रदेश में पर्यटन विभाग द्वारा आस्था के साथ रोजगार सृजन को प्राथमिकता

प्रदेश में पर्यटन अब सिर्फ घूमने फिरने तक सीमित नहीं रहा। यह युवाओं के लिए रोजगार और स्टार्टअप के नए मौके लेकर सामने आया है। राज्य सरकार की 'न्यू टूरिज्म स्टार्टअप यूनिट' पहल के जरिए युवा अपने आइडिया को कारोबार में बदल सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश की अर्थव्यवस्था 'वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी' के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। ऐसे में यह प्रयास पर्यटन सेक्टर को 'स्मार्ट' और 'अनुभव-आधारित' विशिष्ट पहचान दे रही है।

उत्तर प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'नई पर्यटन स्टार्टअप इकाइयों' की श्रेणी के तहत ऐसे प्रोजेक्ट्स और सेवाओं को शामिल किया गया है, जो नवीन तकनीकों का उपयोग करते हों, सतत विकास को प्रोत्साहित करते हों एवं स्थानीय समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डालते हों। हॉबिट हाउस, कैरावान यूनिट्स से पर्यटन रोमांचक होगा। उत्तर प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को नवाचार, आधुनिक तकनीक और सतत विकास के साथ नई दिशा देने की पहल तेज कर दी गई है। इसी क्रम में कई अभिनव पर्यटन इकाइयों के मॉडल सामने लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। 'हॉबिट हाउस' जैसे थीम आधारित आवास, जापानी शैली के पॉड्स, कैप्सूल स्टे, पर्यावरण संरक्षण पर आधारित रीजेनरेटिव टूरिज्म यूनिट्स, अत्याधुनिक तकनीक से लैस कैरावान यूनिट्स तथा ओपन-एयर 'स्टार बेड' विकसित करने का विचार किया जा रहा है।

इसी उद्देश्य से निवेशकों से निवेश प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे हैं। सरकार की ओर से छूट मिलेगी। उ०प्र० पर्यटन नीति-2022 के तहत निवेशकों को आकर्षक प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। नीति के अनुसार 10 लाख से 10 करोड़ रुपए तक के निवेश पर 25 प्रतिशत की सब्सिडी (अधिकतम 02 करोड़ रुपए), 50 करोड़ रुपए तक के निवेश पर 20 प्रतिशत (अधिकतम 7.5 करोड़ रुपए), 200 करोड़ रुपए तक के निवेश पर 15 प्रतिशत (अधिकतम 20 करोड़ रुपए), 500 करोड़ रुपए तक के निवेश पर 10 प्रतिशत (अधिकतम 25 करोड़ रुपए) और 500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश पर भी 10 प्रतिशत सब्सिडी (अधिकतम 40 करोड़ रुपए) दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, शत प्रतिशत स्टांप शुल्क में छूट और सभी पर्यटन इकाइयों के लिए भूमि परिवर्तन एवं विकास शुल्क में पूर्ण छूट का भी प्रावधान है। इसके अलावा, अनुसूचित जाति/जनजाति और महिला उद्यमियों को 5 प्रतिशत की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जाएगी। 'मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में 'विकसित उत्तर प्रदेश-2047' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में पर्यटन विभाग हरसंभव प्रयास कर रहा है। 'वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी' के लक्ष्य को प्राप्त करने में पर्यटन क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। प्रदेश का पर्यटन धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक विविधताओं से समृद्ध है, जिसे आधुनिक सुविधाओं, बेहतर कनेक्टिविटी और नवाचार के माध्यम से और सशक्त किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश केवल आस्था का केन्द्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, अध्यात्मिक परम्परा और ज्ञान-विरासत का प्रतिनिधि प्रदेश है, इसलिए पर्यटन विकास को केवल आधारभूत ढांचे तक सीमित न रखकर उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर देखा जाना चाहिए।

जरा हटके

भारत में रंग केवल...

कुमार कृष्णन

जर्सी का रंग नहीं, खेल की गरिमा बचाने की जरूरत

भारतीय हॉकी टीम की नई यूनिफॉर्म में केसरिया रंग के प्रयोग को लेकर शुरू हुई बहस अब केवल खेल तक सीमित नहीं रही। यह विवाद राजनीति, इतिहास, सांस्कृतिक प्रतीकों और राष्ट्रीय पहचान के प्रश्नों तक पहुँच गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बयान के बाद यह मुद्दा संसद से लेकर सोशल मीडिया तक चर्चा का विषय बन गया। सत्ता पक्ष इसे भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बता रहा है, जबकि विपक्ष इसे प्रतीकों की राजनीति से जोड़कर देख रहा है। ऐसे में मूल प्रश्न यह नहीं है कि जर्सी का रंग क्या है, बल्कि यह है कि क्या खेल भी अब वैचारिक संघर्ष का नया मैदान बनते जा रहे हैं। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है। सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और उन प्रश्नों का उत्तर देना सरकार की जिम्मेदारी लेकिन जब किसी राष्ट्रीय टीम की जर्सी का रंग खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बड़ा विषय बन जाए, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। खेलों की आत्मा प्रतिस्पर्धा, अनुशासन और उत्कृष्टता में निहित होती है। यदि राष्ट्रीय विमर्श खिलाड़ियों की उपलब्धियों के बजाय उनकी पोशाक पर केंद्रित हो जाए, तो यह खेल संस्कृति के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता।

भारत में रंग केवल रंग नहीं हैं; वे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अर्थों से जुड़े प्रतीक भी हैं। केसरिया त्याग, तप, साहस, ज्ञान और बलिदान का प्रतीक माना जाता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में भी इसे सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। इसलिए खेल पोशाक में केसरिया रंग का प्रयोग अपने-आप में असामान्य नहीं कहा जा सकता। वहीं लोकतांत्रिक समाज में किसी भी सार्वजनिक निर्णय पर प्रश्न उठाना भी समान रूप से वैध अधिकार है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब सांस्कृतिक प्रतीकों की व्याख्या राजनीतिक ध्रुवीकरण का माध्यम बनने लगती है। प्रियंका गांधी का यह कहना कि ₹रंग बदलने से सोच नहीं बदलती₹, केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं बल्कि एक व्यापक संदेश भी है। उनका संकेत इस ओर है कि किसी भी राष्ट्र का निर्माण केवल प्रतीकों से नहीं होता। शिक्षा, रोजगार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, खेल अवसंरचना, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती ही किसी देश की वास्तविक शक्ति होती है। यदि युवा अवसर, रोजगार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मांग कर रहे हैं, तो उनके प्रश्नों का समाधान केवल प्रतीकात्मक बदलावों से नहीं, बल्कि ठोस नीतिगत निर्णयों से होगा।

दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का तर्क भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। उसके अनुसार केसरिया किसी राजनीतिक दल की पहचान नहीं बल्कि भारतीय सभ्यता की दीर्घकालिक सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। संन्यास, त्याग, राष्ट्रसेवा और बलिदान की भावना सदियों से इस रंग से जुड़ी रही है। इसलिए यदि राष्ट्रीय टीम की जर्सी में इस रंग का प्रयोग किया गया है, तो उसे केवल राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। यही वह बिंदु है जहाँ यह विवाद केवल खेल का न रहकर सांस्कृतिक विमर्श का विषय बन जाता है। दरअसल, यह पहली बार नहीं है जब किसी राष्ट्रीय प्रतीक, रंग या सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को लेकर राजनीतिक बहस छिड़ी हो। पिछले कुछ वर्षों में इतिहास, पाठ्यपुस्तकों, स्मारकों, स्थानों के नाम, राष्ट्रीय प्रतीकों और सांस्कृतिक विरासत को लेकर लगातार वैचारिक टकराव सामने आए हैं। इससे स्पष्ट है कि भारत में पहचान की राजनीति अब सार्वजनिक जीवन का स्थायी हिस्सा बन चुकी है। हॉकी की जर्सी पर उठा विवाद उसी व्यापक परिघटना की एक कड़ी है। लेकिन इस पूरे विवाद के बीच सबसे अधिक उपेक्षित पक्ष खिलाड़ी हैं। भारतीय हॉकी इस समय पुनर्जागरण के दौर से गुजर रही है। वर्षों के संघर्ष के बाद भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमें विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं। खिलाड़ियों की कठिन साधना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और निरंतर प्रदर्शन के कारण भारत फिर विश्व हॉकी की प्रमुख शक्तियों में गिना जाने लगा है। ऐसे समय में यदि राष्ट्रीय चर्चा खिलाड़ियों के खेल से अधिक उनकी जर्सी पर केंद्रित हो जाए, तो यह खेल के साथ न्याय नहीं होगा।

खेलों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समाज में मौजूद विभाजनों को पाटने का काम करते हैं। भाषा, धर्म, जाति, क्षेत्र और विचारधारा की सीमाएँ मैदान पर धुंधली पड़ जाती हैं। खिलाड़ी केवल अपने देश के लिए खेलता है और दर्शक केवल उसकी सफलता में अपना गौरव खोजते हैं। यही कारण है कि खेलों को अक्सर राष्ट्रों के बीच संवाद और शांति का माध्यम माना गया है लेकिन पिछले कुछ दशकों में खेल भी राजनीति, बाजार और वैचारिक संघर्षों से पूरी तरह अछूते नहीं रहे हैं।

विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि कई बार खेलों का उपयोग राजनीतिक संदेश देने के लिए किया गया। 1936 के बर्लिन ओलंपिक में नाजी जर्मनी ने खेलों को अपनी विचारधारा के प्रचार का मंच बनाया, किंतु अश्वेत अमेरिकी धावक जेसी ओवेन्स ने चार स्वर्ण पदक जीतकर नस्लीय श्रेष्ठता के उस दावे को चुनौती दे दी। 1968 के मैक्सिको ओलंपिक में टॉमी स्मिथ और जॉन कार्लोस ने नस्लीय भेदभाव के विरोध में पदक मंच पर मुट्ठियाँ उठाकर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया।

डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का 13वाँ दीक्षान्त समारोह मा0 मंत्री श्री नरेन्द्र कष्यप की अध्यक्षता में सम्पन्न

शकुन्तला विवि को मिले विषेष दर्जाः सी सदानंदन मास्टर

समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के 13वाँ दीक्षान्त समारोह का शुभारम्भ कुलपति श्री संजय सिंह के द्वारा प्रदेश के राज्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) मा0 श्री नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में, मुख्य अतिथि के रूप में सांसद राज्यसभा मा0 श्री सी सदानंदन मास्टर जी की उपस्थिति में किया गया। उ0प्र0 की राज्यपाल महोदया की अनुपस्तिथि को उनके विशेष कार्याधिकारी श्री सुधीर एम बोबडे ने पूरा किया। दीक्षान्त समारोह में सर्वप्रथम राष्ट्रगीत छात्र/छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की कुलगीत की प्रस्तुति की गयी। विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष की अनुपस्थिति में उनके द्वारा मनोनीत विशेष कार्याधिकारी श्री सुधीर एम बोबडे ने राज्यपाल के सम्बोधन में कहा कि आज इन छात्र/छात्राओं को केवल उपाधि नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी भी मिली है। उन्होंने कहा कि उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र/छात्राएं अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने के लिए करें। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि उनका संघर्ष, साहस और सफलता पूरे देश के लिए प्रेरणा है। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में सत्यनिष्ठा, विनम्रता और सेवा की भावना को सर्वोच्च स्थान देने का आह्वान किया।

डबल इंजन सरकार सामान्य छात्र/छात्राओं के साथ ही दिव्यांग छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु कृतसंकल्पित

ब्रेल समाचारपत्र का प्रकाशन शुरू किया गया

मा0 मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने दीक्षान्त समारोह में उ0प्र0 सरकार द्वारा समाज के पिछड़ा वर्ग व दिव्यांगजन हेतु कराए जा रहें कार्यों का वर्णन करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जहाँ दिव्यांगजनों के लिए दो समर्पित विश्वविद्यालय संचालित हैं। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयास से राज्य का पहला ब्रेल पुस्तकालय 04 जनवरी 2026 को स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में स्थापित किया गया जिसमें 5500 के अधिक ब्रेल पुस्तकें, स्नातक एवं परास्नातक के 54 एनईपी आधारित पाठ्यक्रमों के लिए पुस्तकें उपलब्ध कराई गयी, जिसे वर्ष के अंत तक 10,000 करने का लक्ष्य है। इसके साथ ही दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ब्रेल समाचार पत्र का प्रकाशन शुरू किया गया है।

1921 उपाधी वितरण में 466 उपाधियाँ दिव्यांगजनों को मिलना उनके सार्थक प्रयास का परिणाम, जो उनकी बौद्धिक क्षमता एवं दृढ़ इच्छाषक्ति को परिलक्षित करता हैः - मा0 मंत्री श्री नरेन्द्र कष्यप, दिव्यांगजन सषक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण

दिव्यांग विद्यार्थियों की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रभावी प्रयासों का प्रमाण बनी। पदक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम अंगों का तीव्र निर्माण संभव

राज्यमंत्री कश्यप ने बताया कि सैनिकों के मुफ्त पुनर्वास हेतु सेना के मिलिट्री हॉस्पिटल (मेरठ) के साथ 25 जून 2026 को हुए समझौते के तहत थल, जल और वायु सेना के दिव्यांग सैनिकों एवं जवानों को मुफ्त कृत्रिम अंग तथा टेलर-मेड प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के लिए समावेशी शिक्षा, तकनीकी नवाचार, कृत्रिम अंग निर्माण, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा शोध के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। मंत्री जी ने बताया कि सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) के सहयोग से विश्वविद्यालय अब कृत्रिम पैर के पंजे सहित अन्य स्पेयर पार्ट्स का निर्माण स्वयं अपनी लैब में कर सकेगा। 18 फरवरी 2026 को थ्री-डी लैब की स्थापना की गई, जिससे गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम अंगों का तीव्र निर्माण संभव हो सकेगा। उन्होंने बताया कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की सुगम एवं आत्मनिर्भर आवाजाही के लिए 144.55 एकड़ परिसर में विशेष 'सुगंध पथ' तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय पुनर्वास परिषद (आर0सी0आई0) द्वारा 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस' घोषित किया गया है, जो हम लोगों के लिए गर्व की बात है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में बाबू को अफसर टाइप बंगला अलॉट

लखनऊ। लखनऊ के महानगर विस्तार स्थित पीली कॉलोनी में नगर निगम में कार्यरत बाबू को अफसर टाइप बंग्ला अलॉट कर दिया गया,लेकिन उसे यह पता भी नहीं। क्यों कि इसे एक खास व्यक्ति के लिए यह बंग्ला तैयार किया जा रहा है। करीब तीन करोड़ रुपए के इस बंग्ले को 20 लाख रुपए से अधिक खर्च करके मेंटेन किया जा रहा।

कांवड़ मार्ग पर एफएसडीए टीम ने मटन शॉप बंद कराई

लखनऊ। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित और गुणवत्ता-पूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) ने राजधानी में बड़े स्तर पर अभियान चलाया। 14 जुलाई से जारी इस अभियान में कांवड़ मार्ग पर स्थित 70 से अधिक होटल, ढाबों, रेस्टोरेंट, स्वीट शॉप और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान कृत्रिम रंग मिले अनार के दाने, सड़ा मैंगो पल्प और एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई। गंभीर अनियमितताएं मिलने पर एक जूस कॉर्नर और एक मटन शॉप को भी बंद करा दिया गया।

मौलाना जरजिस के पुतले को जूते से मारा

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को इटावा के मौलाना जरजिस के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मौलाना के पुतले को जूते से मारा। आरोप लगाया कि मौलाना ने भगवान शिव और कृष्ण का अपमान किया। उसे लखनऊ बुलाया जाए। इस सरकार में भी हमारे भगवान को कोई इस तरह कहने की हिम्मत कर सकता है। भारतीय गौ सेवा संगठन के बैनर तले भगवा झंडे लिए प्रदर्शनकारी दोपहर 12:30 बजे हजरतगंज चौराहे पर पहुंचे।

राज्यपाल की अध्यक्षता में लखनऊ विश्वविद्यालय का 69वाँ दीक्षोत्सव

1.25 लाख से अधिक विद्यार्थियों को उपाधियाँ, 111 मेधावियों को 204 पदक प्रदान

दीक्षा का अर्थ सीखने की शुरुआत - डिग्री आपके हाथ में, देश की जिम्मेदारी आपके कंधों पर : मंत्री रजनी तिवारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय का 69वाँ दीक्षोत्सव सम्पन्न हुआ। दीक्षोत्सव में कुल 1,25,285 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं, जिनमें 57,166 छात्र तथा 68,119 छात्राएँ शामिल हैं। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए 111 मेधावी विद्यार्थियों को 204 पदक प्रदान किए गए, जिनमें 81 छात्राएँ और 30 छात्र शामिल रहे।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दीक्षा का अर्थ सीखने की शुरुआत है। आज औपचारिक शिक्षा पूरी हुई, लेकिन असली शिक्षा अब शुरू होगी। डिग्री आपके हाथ में है और देश की जिम्मेदारी आपके कंधों पर है।

उन्होंने कहा कि आज पदक लेने वालों में लगभग 75 प्रतिशत बेटियां थीं, यही बदलता हुआ भारत और प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन की ओर बढ़ता कदम है। विद्या सबसे बड़ा धन है और आप उसके संवाहक बनकर निकल रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय कोई साधारण विश्वविद्यालय नहीं, यह ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालय है, इसलिए आपसे अपेक्षाएं भी अधिक हैं।

मंत्री तिवारी ने युवाओं से तकनीक के सदुपयोग और दुरुपयोग को समझने, भटकाव और प्रलोभन से बचकर लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृद्धों, महिलाओं का सम्मान, जलवायु और मिट्टी का संवर्धन आवश्यक है। भारत आज 12वीं से चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है और यदि युवा कौशल, नवाचार और परिश्रम पर ध्यान दें तो 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार होगा।

एनआईए कोर्ट लखनऊ ने 4 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई

आईएसआई हैंडलरों को सेना की जानकारी भेजने वाला दोषी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । राजधानी की विशेष एनआईए कोर्ट ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (ISI) के हैंडलरों तक भारतीय सेना से जुड़ी संवेदन-शील और गोपनीय सूचनाएं पहुंचाने के मामले में दोषी वसीउल्लाह खान को 4 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

विशेष न्यायाधीश (एनआईए) एवं अपर सत्र न्यायाधीश उमाकांत जिंदल की अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 121A, 120B और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) की धारा 13 के तहत दोषी करार देते हुए सभी सजाएं साथ-साथ चलाने का आदेश दिया। अदालत ने यह भी कहा कि आरोपी 21 नवंबर 2023 से न्यायिक हिरासत में है, इसलिए जेल में बिताई गई अवधि सजा में समायोजित की जाएगी।

न्यायालय के फैसले के अनुसार, उत्तर प्रदेश एटीएस को वर्ष 2023 में सूचना मिली थी कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए भारतीय नागरिकों को धन का लालच देकर भारतीय सेना की गोपनीय सूचनाएं हासिल करने का प्रयास कर रही है।

दोषी की ओर से अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि वसीउल्लाह खान आर्थिक रूप से कमजोर है और परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य है। अधिवक्ता ने कहा कि वह भविष्य में इस तरह का कोई अपराध नहीं करेगा, इसलिए उसके साथ नरमी बरती जाए और न्यूनतम सजा दी जाए।

सूचना के आधार पर एटीएस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान कासगंज निवासी शैलेश कुमार उर्फ शैलेन्द्र सिंह चौहान से पूछताछ की गई, जिसके मोबाइल और सोशल मीडिया अकाउंट से मिले डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच आगे बढ़ी। विवेचना के दौरान वसीउल्लाह खान की भूमिका सामने आने पर उसके खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया गया। विशेष न्यायाधीश उमाकांत जिंदल ने अपने आदेश में कहा कि दंड की मात्रा अपराध की गंभीरता के अनुरूप होनी चाहिए। अदालत ने यह भी दर्ज किया कि दोषी ने स्वयं अपना जुर्म स्वीकार किया है।

अभियोजन ने बताया राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर अपराध

राज्य की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत में दलील दी कि दोषी ने भारतीय सेना की संवेदनशील और प्रतिबंधित जानकारियां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के हैंडलरों तक पहुंचाईं। अभियोजन का कहना था कि इस तरह की गतिविधियां देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता के लिए गंभीर खतरा हैं। इसलिए आरोपी को अधिकतम सजा दी जानी चाहिए।

प्रतिभाशाली युवाओं को मिलेगा न्याय, ऐतिहासिक उपलब्धि : उप मुख्यमंत्री

पेपर लीक की कुप्रथा से मुक्त होगा देश : केशव प्रसाद मौर्य

तमसा संकेत, संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने संसद से 'वंदे मातरम् विधेयक' के पारित होने का भी स्वागत किया।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने संसद के दोनों सदनों से 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' के पारित होने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर यह एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि है।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए तथा देश के युवाओं से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने के लिए कठोर कानून लागू करने के संबंध में दिए गए आश्वासन के अनुरूप यह महत्वपूर्ण कानून संसद के दोनों सदनों से पारित हो चुका है और शीघ्र ही लागू होगा। उन्होंने कहा कि इस कानून के लागू होने से देश में पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा प्रतिभाशाली और मेहनती युवाओं के भविष्य के साथ होने वाले अन्याय को रोका जा सकेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निकट भविष्य में देश पेपर लीक की कुप्रथा से मुक्त होगा और लाखों प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं सशक्त नेतृत्व में युवाओं के हितों की रक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए केन्द्र सरकार निरंतर प्रभावी एवं निर्णायक कदम उठा रही है। यह विधेयक युवाओं के विश्वास को मजबूत करने तथा परीक्षा प्रणाली की शुचिता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक पारित होना आवश्यक था और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के तीसरे कार्यकाल में इसे संसद से पारित किया गया है। उन्होंने इस निर्णय का स्वागत करते हुए विधेयक के पक्ष में मतदान करने वाले सभी माननीय सांसदों का अभिनंदन एवं आभार व्यक्त किया।

राजकीय शीतगृह परिसर, अलीगंज, लखनऊ के पार्क में प्रवेश शुल्क और समय सारिणी निर्धारित

लखनऊ। जिला उद्यान विकास समिति, लखनऊ द्वारा राजकीय शीतगृह परिसर, अलीगंज, लखनऊ क्षेत्र के आम जनमानस एवं प्रातः/सायंकालीन भ्रमणकर्ताओं को सूचित किया गया है कि पार्क प्रबंधन, रख-रखाव और सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु प्रवेश शुल्क, मॉर्निंग वॉक पास शुल्क तथा उद्यान संचालन समय का निर्धारण किया गया है। इसके तहत दैनिक प्रवेश शुल्क आम जनमानस के लिए 5 रुपये प्रति व्यक्ति प्रतिदिन रखा गया है। मॉर्निंग वॉक पास (सामान्य) के लिए मासिक शुल्क 100 रुपये, त्रैमासिक 250 रुपये और अर्धवार्षिक 500 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित है, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायती पास में मासिक 50 रुपये, त्रैमासिक 100 रुपये और अर्धवार्षिक 200 रुपये का शुल्क रखा गया है। 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा।

राजधानी में यूथ कांग्रेस ने भाजपा नेताओं का पुतला फूंका

बोले- सांसद निशिकांत दुबे और मंत्री दिनेश मांफी मांगें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह का पुतला फूंका। कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय के अंदर से नारेबाजी करते हुए निकले और करीब 10 मीटर की दूरी पर ही पुतला फूंक दिया। जब तक पुलिस कर्मियों ने रोकने की कोशिश की पुतला जल चुका था। हालांकि, बाद में पुलिस ने पुतले को बुझाने की कोशिश की।

यूथ कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। दिनेश प्रताप सिंह पर राहुल गांधी के अपमान का आरोप लगाया। सांसद निशिकांत दुबे पर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का संसद में अपशब्द कहे जाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मांग किया कि भाजपा के दोनों ही नेता कांग्रेस से माफी मांगें। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं से नोकझोंक और धक्का मुक्की हुई। यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव श्याम प्रताप सिंह ने कहा कि निशिकांत दुबे और दिनेश प्रताप सिंह का पुतला फूंक कर अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि रायबरेली में एक कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता बुद्धि लाल पासी राहुल गांधी के बारे में अपशब्द बोल रहे थे। उस समय मंच पर दिनेश प्रताप सिंह जी मौजूद थे। उन्हीं के नेतृत्व में यह कार्यक्रम हो रहा था।

निर्देश : ग्राम चौपाल से लेकर आवास योजना तक, हर कार्य में हो त्वरित कार्रवाई : केशव प्रसाद मौर्य

'ग्राम्य विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में लाई जाए तेजी'

ग्रामीण विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें

गांव की गलियां ग्रामीणों का हा-ईवे, जलनिकासी व अवस्थापना सुविधाएं हों मजबूत

ग्राम्य विकास विभाग की योजनाएं तेजी से धरातल पर उतारें अधिकारी : केशव प्रसाद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्चाधिकारियो को निर्देश दिये है कि ग्राम्य विकास विभाग की सभी कार्य योजना पर ठोस, प्रभावी व त्वरित गति से कार्यवाही की जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन मे तेजी लायी जाय। कार्य धरातल पर नजर आने चाहिए। योजनाओं को अमलीजामा पहनाने मे कोई कोर कसर बाकी न रखी जाय। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव व गरीब का विकास करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गांव मे जलनिकासी के पुख्ता प्रबन्ध किये जांय। गांवो की गलिया ग्रामीणों का हाइवे है, उन्हे व्यवस्थित व ठीक रखा जाय, गांवो मे अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार किया जाय। श्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को अपने कैम्प कार्यालय 7- कालिदास पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक मे ग्राम्य विकास विभाग के कार्यो की समीक्षा कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ग्राम रोजगार सेवकों का मानदेय एक सप्ताह के भीतर वितरित किया जाना सुनिश्चित किया जाए। संचालित वृक्षारोपण कार्य के अंतर्गत रोपित पौधों की सुरक्षा हेतु भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

भुगतान, आवास योजना व दीदियों के प्रशिक्षण पर उप मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश

कार्य धरातल पर नजर आने चाहिए

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये ग्राम्य विकास विभाग में विभिन्न जांचो के जो प्रकरण लम्बित हैं, उनको तुरंत निस्तारित किया जाय। अधिकारी जनप्रतिनिधियों की बातो को पूरी गम्भीरता से सुने, निस्तारण योग्य प्रकरणो का निस्तारण करे, जो प्रकरण उनके स्तर से निस्तारित नही हो सकते, उसके बारे मे जनप्रतिनिधियो को संतुष्ट करते हुये अवगत कराया जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कार्य धरातल पर नजर आने चाहिए, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन नये समूहो के गठन की कार्रवाई तेज करें और निष्क्रिय समूहों को तत्काल सक्रिय करने की प्रभावी कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित किया जाय महिला सामर्थ योजना के तहत कार्यों में और तेजी लाई जाय।

39 सेवाओं को ऑटो अप्रूवल व्यवस्था के अंतर्गत किया जाएगा संचालित

आवेदकों को सेवाओं का लाभ बिना परिवहन कार्यालय आए, ऑनलाइन एवं समयबद्ध रूप से मिलेगा-दयाशंकर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। परिवहन विभाग द्वारा वर्तमान में नागरिकों को आधार प्रमाणीकरण (Aadhaar Authentication) के माध्यम से फेसलेस मोड में कुल 52 ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें से सारथी (SARATHI) पोर्टल की 27 एवं वाहन (VAHAN) पोर्टल की 12, कुल 39 सेवाओं को ऑटो अप्रूवल (Auto Approval) व्यवस्था के अंतर्गत सफलतापूर्वक संचालित (Live) किया गया है।

यह जानकारी देते हुए परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि पात्र आवेदकों को इन सेवाओं का लाभ बिना परिवहन कार्यालय आए, ऑनलाइन एवं समयबद्ध रूप से प्राप्त हो सकेगा।

परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रदेश के नागरिकों को अब अधिक सरल, पारदर्शी एवं त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में परिवहन विभाग सतत प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त व्यवस्था के अंतर्गत अब पात्र आवेदकों को चयनित सेवाओं के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO/ARTO) आने की आवश्यकता नहीं होगी। आधार प्रमाणीकरण के उपरांत निर्धारित मानकों के अनुरूप आवेदनों का स्वतः अनुमोदन किया जाएगा, जिससे नागरिकों को घर बैठे ही समयबद्ध एवं सुविधाजनक ढंग से सेवाएं प्राप्त हो सकेंगी।

परिवहन मंत्री ने बताया कि इस पहल से सेवाओं की उपलब्धता में तेजी आएगी। सेवाएं मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त होंगी तथा आमजन के समय एवं संसाधनों की बचत होगी। यह व्यवस्था डिजिटल गवर्नेंस को सुदृढ़ करने तथा नागरिकों को अधिक सुगम, पारदर्शी एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में परिवहन विभाग का एक महत्वपूर्ण कदम है।

परिवहन मंत्री ने प्रदेशवासियों से अनुरोध किया है कि वे आधार प्रमाणीकरण आधारित फेसलेस सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं तथा घर बैठे ऑनलाइन परिवहन सेवाओं का उपयोग करें।

पुलिसवाले जान बचाकर भागे, फिर ईंट फेंककर दौड़ाया, प्रतिमा जब्त, चबूतरा ढहाया

देवरिया में अंबेडकर प्रतिमा हटाने पर बवाल-पथराव

घटना की सूचना मिलते ही एएसपी सुनील कुमार सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने भीड़ को लाठी फटकार कर खदेड़ा। बवाल के बाद रुद्रपुर सर्किल के मदनपुर, एकौना, रुद्रपुर कोतवाली, गौरी बाजार, महुआडीह, रामपुर कारखाना थाने की पुलिस को बुलाया गया। बवाल के पहले गांव में गौरीबाजार और रुद्रपुर थाने की पुलिस मौजूद थी।

बवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया। देवरिया में जबरन अंबेडकर प्रतिमा हटाने पर गुरुवार शाम बवाल हो गया। गांववालों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। महिलाएं भी ईंटें फेंककर मारने लगीं। इससे भगदड़ मच गई। पुलिसवालों को भी पीछे हटना पड़ा। सभी अपने-अपने सिर को बचाते हुए मौके से भागे। पथराव में पुलिस और प्रशासन के 7 कर्मचारी घायल हुए हैं। हालात बिगड़ते देख आसपास के थानों से फोर्स मंगवाई गई। प्रदर्शनकारियों को शांत कराया। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है।

गौरी बाजार थाना क्षेत्र के लवकनी गांव में लोग जमबरन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगा रहे थे।

सीनियर अधिकारियों ने मोर्चा संभाला है। अंबेडकर प्रतिमा मौके से हटवाकर थाने लाई गई है। चबूतरे को बुलडोजर से ढहा दिया गया। मामला गुरुवार शाम 4 बजे का है। जिस जगह हंगामा हुआ, वो जिला मुख्यालय से 22 किमी दूर है। गौरी बाजार थाना इलाके के लवकनी गांव में आंगनबाड़ी केंद्र के पास मंगलवार रात कुछ लोगों ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी थी। यह ग्राम समाज की जमीन है। बुधवार सुबह प्रशासन को इसकी जानकारी हुई तो अधिकारी सतर्क हो गए। डीएम मधुसूदन हुल्गी के निर्देश पर रुद्रपुर के एसडीएम राजकुमार गुप्ता जांच करने पहुंचे।

तड़के 3 बजे हंगामा, 12 घंटे पुलिस मान-मनौव्वल करती रही

गुरुवार तड़के तीन बजे गांव वालों ने हंगामा शुरू कर दिया। महिलाओं को प्रतिमा के पास धरने पर बैठा दिया गया। पुलिस शाम 4 बजे तक करीब 13 घंटे मान मन्नौवल करती रही, लेकिन लोग प्रतिमा हटाने को तैयार नहीं हुए। देवरिया एसडीएम, सीओ रुद्रपुर सतेंद्र कुमार राय गांव में डटे थे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाया कि जिस जगह प्रतिमा स्थापित की गई है, वो नवीन परती भूमि है। इसके लिए परमिशन भी नहीं ली गई है। लेकिन सहमति नहीं बन सकी। धीरे-धीरे हालात बिगड़ते चले गए।

जेसीबी से चबूतरे को तोड़ा गया

एडीएम (प्रशासन) प्रेम नारायण सिंह ने बताया- पुलिस ने प्रतिमा को मौके से हटाकर पिकअप वाहन से गौरी बाजार थाने भेज दिया। इसके बाद जेसीबी से प्रतिमा स्थापना के लिए बनाए गए चबूतरे को भी हटवा दिया गया।

मामले में सबूतों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को परेशान नहीं किया जाएगा, लेकिन हिंसा फैलाने और सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोदी को गाली देने वाली लड़की पर नोएडा में एफआईआर

सीजेपी के प्रोटेस्ट में जंतर-मंतर पहुंची थी

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा । जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन में पीएम मोदी को गाली देने वाली नोएडा की लड़की के खिलाफ जीरो FIR दर्ज हो गई है। यह कार्रवाई नोएडा के एक्सप्रेसवे थाने में गाजियाबाद की वकील स्मृति सिंह चंदेल की शिकायत पर हुई। लड़की की पहचान रुचिका सिंह के रूप में हुई है। गुरुवार शाम 5 बजे स्मृति सिंह ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने कहा- सेक्टर 168 की रहने वाली रुचिका सिंह ने सार्वजनिक मंच से प्रधानमंत्री मोदी को गालियां दीं। उसने जानबूझकर ऐसा किया। इससे पीएम की संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची। अब पुलिस प्रदर्शन के दौरान बनाए गए वीडियो, सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप की जांच कर रही है। हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के

प्रदेश अध्यक्ष अनूप खेतान ने भी एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने दावा किया कि रुचिका सिंह वही लड़की है, जिसने 23 जुलाई, 2026 को दिल्ली में पीएम मोदी को गालियां दीं थीं। उन्होंने घटना का वीडियो भी शेयर किया है। लड़की नोएडा के एक मॉल में हेयर कटिंग का काम करती है।

अनूप खेतान हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष हैं। वे सीतापुर शहर के मोहल्ला तामसेनगंज के रहने वाले हैं। पूर्व भाजपा सांसद राजेश वर्मा के करीबी बताए जाते हैं। उन्होंने वीडियो में लड़की की फोटो और एफआईआर कॉपी दिखाते हुए कहा- साथियों, गुड न्यूज है।

फास्ट न्यूज

जूही में पेयजल संकट पर फूटा लोगों का गुस्सा

कानपुर । कानपुर के जूही स्थित संत रविदास नगर में पिछले पांच दशकों से चली आ रही पेयजल समस्या को लेकर शुक्रवार को क्षेत्रीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्थानीय पार्षद शालू सुनील कनौजिया के नेतृत्व में बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोगों ने बाबा कुटी स्थित जलकल विभाग के जोन-3 कार्यालय के बाहर धरना दिया और विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रियंका गांधी के 'गोमूत्र विशेषज्ञ' बयान पर विवाद

कानपुर। लोकसभा में एंटी-पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान IIT मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया है। CSJMU कानपुर के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने बयान पर आपत्ति जताते हुए इसे वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों का अपमान बताया है। प्रो. विनय पाठक ने वीडियो जारी कर कहा कि वैज्ञानिक किसी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं होते, बल्कि वे देश की ज्ञान परंपरा का हिस्सा होते हैं। उन्होंने सभी दलों से ऐसे बयानों की निंदा करने और प्रियंका गांधी से बयान वापस लेने की मांग की।

किसान का शव कमरे में मिला, तार लिपटा था

नरवल। कानपुर के नरवल थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव में शुक्रवार सुबह 42 वर्षीय किसान राम सिंह का शव घर के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव के शरीर पर बिजली का तार लिपटा था और चोट के निशान भी मिले हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बेटे ने मां को सिलबट्टे से कूचकर मार डालो

बेटा बोला- मैंने नहीं, मां काली ने मारा

तमसा संकेत, एजेंसी

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में एक बेटे ने सिलबट्टे से कूचकर अपनी मां को मार डाला। उसने बचाने आई बहन को भी मारने की कोशिश की। उसकी चीख-पुकार सुनकर गांववाले मौके पर पहुंचे। आरोपी बेटे को पकड़ कर रस्सी से बांध दिया। बेटे ने पुलिस पूछताछ में बताया-मैंने अपनी मां को नहीं मारा, यह काम कलकत्ता वाली मां काली ने किया है। मैंने कोई गलत काम नहीं किया। घटना बुधवार सुबह करीब 10.30 बजे जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर शमशाबाद के खुड़नावैध गांव की है। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि मां-बेटे का किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद आरोपी ने महिला की हत्या कर दी। खुड़नावैध गांव की नन्हीं देवी (55), पति दुलारे राठौर के निधन के बाद अपने छोटे बेटे पंकज राठौर (33) और बेटी सुषमा (25) के साथ रहती थीं। बड़ा बेटा शिवम राठौर (36) पानीपत में नौकरी करता है। शिवम की शादी हो चुकी है, परिवार भी पानीपत में ही रहता है। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया, बुधवार सुबह किसी बात को लेकर नन्हीं देवी और बेटे पंकज के बीच झगड़ा होने लगा। देखते देखते झगड़ा इतना बढ़ गया कि पंकज ने मां को कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद सिलबट्टे से उनके सिर पर कई वार किए, जिससे उनकी मौत हो गई।

बेटी से बात करने पर हत्या की थी, सदमे में माता-पिता की मौत, बहन ने इंसाफ दिलाया

प्रबल हत्याकांड में कारोबारी बाप-बेटे समेत 7 को उमक्रैद

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौर। बिजनौर के चर्चित प्रबल हत्याकांड में 14 साल बाद फैसला आया है। शुक्रवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट ने कारोबारी बाप-बेटे समेत 7 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही, सभी पर एक-एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। दो दिन पहले कोर्ट ने सातों को दोषी ठहराया था।

साल 2012 में कारोबारी ने बेटी से बात करने पर 18 साल के प्रबल अग्रवाल की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद उसका शव गंगा में फेंक दिया था। इस हत्याकांड के सदमे में प्रबल के माता-पिता की भी मौत हो गई थी।

घटना के 6 महीने बाद जून 2013 में सदमे के कारण प्रबल के

प्रबल अग्रवाल
मृतक

पिता आलोक अग्रवाल की हार्ट अटैक से मौत हो गई। कुछ समय बाद मां भी चल बसीं। घर में अकेली बची बहन प्राची अग्रवाल ने हार नहीं मानी। शहर के रसूखदारों के खिलाफ कोई वकील केस लड़ने को तैयार नहीं था, लेकिन एडवोकेट मोहम्मद जकावत के सहयोग से उसने कोर्ट में लड़ाई जारी रखी। इन 14 सालों में 305 पेशियां हुईं और 17 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता अजीत पवार ने बताया- दिसंबर 2012 में प्रबल की बेरहमी से हत्या की गई थी। कोर्ट ने इस मामले में ऐतिहासिक फैसला दिया है। सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कुछ अलग-अलग धाराओं में भी सजा हुई है। प्रबल की हत्या के बाद उनकी मां की मानसिक हालत बिगड़ गई। उनकी जान चली गई। पिता ने भी सदमे में दम तोड़ दिया। प्रबल की बहन ने बड़ी लड़ाई लड़ी है।

बेटी से बात करने पर मारा, लाश नदी में फेंकी

19 दिसंबर, 2012 को बिजनौर शहर कोतवाली क्षेत्र के शहनाई बैंक्वेट हॉल में रात 8 बजे महाराजा अग्रसेन जयंती का कार्यक्रम चल रहा था। इसी कार्यक्रम में मोहल्ला जाटान का रहने वाला प्रबल अग्रवाल (18) भी गया था। वह कार्यक्रम में रामलीला कमेटी के तत्कालीन अध्यक्ष संजय अग्रवाल की बेटी से बातचीत कर रहे थे।

इसी दौरान शराब के नशे में संजय अग्रवाल ने प्रबल के बेटी से बात करने पर ऐतराज जताया। इसी बात पर दोनों में कहासुनी हुई। इसके बाद संजय और विनय अग्रवाल समेत अन्य लोगों ने प्रबल अग्रवाल के साथ मारपीट शुरू कर दी। उसे पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। इसके बाद उसे कार में डालकर एक प्राइवेट डॉक्टर के पास ले गए, जहां डॉक्टर ने प्रबल को मृत घोषित कर दिया। मौत के बाद सभी आरोपियों ने फंसने के डर से प्रबल की लाश 10 किमी दूर गंगा नदी में फेंक दी।

> बहन प्राची ने 14 साल तक कानूनी लड़ाई लड़कर भाई को इंसाफ दिलाया। कोर्ट ने जुर्माने की 90 प्रतिशत राशि प्राची को देने का आदेश दिया है। फैसला सुनते ही प्राची रोने लगीं। उन्होंने कहा, "मुझे बहुत लंबे समय बाद न्याय मिला। दोषियों को फांसी होती तो ज्यादा अच्छा होता।"

70 घंटे से दरवाजे पर टकटकी लगाए बैठीं, बोलीं- जरूर आएगी, बुलंदशहर में नाले में बही थी

बेटी का स्कूली बैग सीने से लगाकर रो रही मां

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर । जिस बैग को लेकर चारु रोज स्कूल जाती थी, आज वही बैग उसकी मां के हाथों में है। मां दिनभर उसे सीने से लगाए दरवाजे की ओर टकटकी लगाए बैठी रहती हैं। उन्हें अब भी उम्मीद है कि बेटी कहीं से आएगी और आवाज लगाएगी। लेकिन 70 घंटे से ज्यादा समय बीत चुका है और 11 साल की चारु का अब तक कोई सुराग नहीं मिला। दरअसल, बुलंदशहर के साठा इलाके में चौथी कक्षा की छात्रा चारु कश्यप 28 जुलाई की दोपहर करीब 12:30 बजे स्कूल से घर लौट रही थी। रास्ते में बारिश के पानी से उफन रहे खुले नाले में गिरने के बाद वह तेज बहाव में बह गई। जिला मुख्यालय की इस घटना का

CCTV फुटेज भी सामने आया है, जिसमें वह नाले के पास जाती दिखाई दे रही है।

हादसे के बाद नाले से लेकर काली नदी तक करीब एक किलोमीटर तक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है, लेकिन अभी तक बच्ची का कोई पता नहीं चल पाया है। वहीं, इस मामले में बुलंदशहर नगर पालिका के चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि स्कूल प्रबंधन के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

साठा मोहल्ले में रिंकू कश्यप अपनी पत्नी ज्ञानवती और दो बच्चों के साथ रहते हैं। बेकरी की दुकान चलाने वाले रिंकू का बड़ा बेटा गगन 19 साल का है और बीबीए की पढ़ाई कर रहा है। जबकि चारु चौथी कक्षा की छात्रा थी।

> प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, चारु जैसे ही नाले के पास पहुंची, उसका पैर फिसल गया। संतुलन बिगड़ने से वह खुले नाले में गिर गई। आसपास मौजूद लोग उसे बचाने की कोशिश करते, इससे पहले ही वह तेज बहाव में बह गई और कुछ ही सेकेंड में आंखों से ओझल हो गई।

प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम लगातार सर्च कर रही। सर्च का दायरा नाले से काली नदी तक करीब एक किमी तक पहुंच चुका है।

नाले से काली नदी तक सर्च ऑपरेशन जारी

लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस, नगर पालिका और स्थानीय लोगों ने तलाश शुरू कर दी। काफी खोजबीन के बाद भी जब बच्ची का कोई पता नहीं चला, तो अभियान का दायरा बढ़ाकर NDRF, SDRF, फ्लड PAC, फायर सर्विस, नगर पालिका कर्मचारियों और स्थानीय गोताखोरों को भी लगाया गया। 100 से जवानों के साथ पिछले तीन दिनों से लगातार सर्च ऑपरेशन जारी है। प्रशासन को आशंका है कि तेज बहाव बच्ची को काली नदी तक ले गया होगा। इसलिए पोकलेन मशीनों की मदद से नदी में जमा झाड़ियां और जलकुंभी हटाकर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर एडीएम प्रशासन, एसपी सिटी और सीओ सिटी समेत कई अधिकारी अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

4 साल के बच्चे को मारकर आंख फोड़ी, महिला टीचर पर आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

फिरोजाबाद । फिरोजाबाद के एक निजी स्कूल में महिला टीचर पर दो सगे भाइयों की बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगा है। आरोप है कि पिटाई के दौरान 4 साल के छोटे भाई की आंख में पेंसिल लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बड़े भाई के कान से खून निकल आया। बच्चों की मां का आरोप है कि शिक्षिका ने गुस्से में छोटे बेटे की आंख में पेंसिल मार दी थी। जब शिकायत लेकर माता-पिता स्कूल पहुंचे तो निदेशक ने घटना से इनकार कर दिया। सीसीटीवी फुटेज मांगने पर कहा कि वह डिलीट हो चुकी है। विरोध करने पर अभद्रता की गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई।

6 जुलाई की यह घटना जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर थाना उत्तर क्षेत्र स्थित मदर प्राइड इंटरनेशनल स्कूल की है। इसका एक CCTV फुटेज भी सामने आया है, जिसमें महिला

टीचर क्लासरूम में बच्चों के साथ मारपीट करती दिखाई दे रही है।

डीएम के आदेश पर शुक्रवार को बीएसए और एसडीएम ने स्कूल पहुंचकर मामले की जांच की। वहीं, बच्चे के पिता की शिकायत पर स्कूल निदेशक, मैनेजर और दो शिक्षिकाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

श्रीराम कॉलोनी निवासी मनोज कुमार ने बताया कि उनका छोटा बेटा अनमोल (4) मदर प्राइड इंटरनेशनल स्कूल में एलकेजी का छात्र है। बड़ा बेटा आर्यन (8) भी इसी स्कूल में चौथी कक्षा में पढ़ता है। पिता के मुताबिक, 6 जुलाई को क्लास में पढ़ाई के दौरान शिक्षिका काजल ने अनमोल की आंख में पेंसिल मार दी।

पृष्ठ 01 का शेष...

अंकित शर्मा हत्याकांड ...

परिवार उनकी तलाश कर रहा था, तभी लोगों ने बताया कि उनका शव चांदबाग पुलिया के पास खजूरी खास नाले में देखा गया है। अगले दिन सुबह पुलिस ने नाले से अंकित का शव बरामद किया था। इसके बाद पिता रविंदर कुमार की शिकायत दयालपुर थाने में केस दर्ज किया गया था। उनका आरोप था कि अंकित की हत्या तत्कालीन AAP पार्षद ताहिर हुसैन और उनके साथियों ने की है। शिकायत के अनुसार, आरोपी ताहिर हुसैन के ऑफिस में इकट्ठा हुए थे और हत्या के बाद अंकित के शव को नाले में फेंक दिया गया। फरवरी 2025 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में ताहिर हुसैन ने मुस्तफाबाद सीट से असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM के टिकट पर चुनाव लड़ा था।

मंत्री दीपक प्रकाश ...

हालांकि वो पीछे के दरवाजे से गए और उधर से ही निकल गए।

इधर, देवेश कुमार के इस्तीफे के बाद दीपक प्रकाश के पिता उपेंद्र कुशवाहा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिलने उनके आवास पहुंचे। वहीं, दरभंगा में दीपक प्रकाश ने मीडिया से बातचीत में कहा कि MLC देवेश कुमार के इस्तीफे की जानकारी नहीं है। मैं पूरे दिन दरभंगा के कार्यक्रमों में व्यस्त हूं। उन्होंने किस उद्देश्य से इस्तीफा दिया है, इसकी भी जानकारी नहीं है। बिना जानकारी के इस पर टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा।

गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने दीपक प्रकाश से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था-मंत्री दीपक प्रकाश न तो विधानसभा के सदस्य हैं और ना ही विधान परिषद के, लेकिन वो मंत्री के पद पर हैं।

पप्पू यादव पुजारी ...

किरेन रिजिजू ने कहा कि हम चाहते हैं कि भविष्य में ऐसा न हो। आप चर्चा में शामिल नहीं होते और बाहर जाकर कहते हैं कि सरकार चर्चा नहीं कराती। अगला बिल लेकर आएंगे और आप हंगामा करेंगे तो अच्छा नहीं होगा। चर्चा करें, हंगामा ना करें। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का नोटिस सौंपा है।

अनुराग का आरोप है कि राहुल गांधी ने को गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ असंसदीय और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। गंभीर व बेबुनियाद आरोप लगाए।

दरअसल, बुधवार को राहुल ने पेपर लीक संशोधन बिल पर बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। राहुल के भाषण के एक हिस्से को स्पीकर ओम बिरला ने कार्यवाही से हटा दिया था।

सीएम शुभेंदु की रेकी ...

भट्टी का नेटवर्क बॉर्डर पार से ड्रग्स और हथियारों की तस्करी करता था। इससे होने वाली कमाई का इस्तेमाल वह भारत में आतंकवादी गतिविधियों की फंडिंग के लिए करता था।

हामिम हावड़ा में काम करता था। बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले वह बर्धमान चला गया था, जहां उसने अपार्टमेंट किराए पर लिया। जांच एजेंसियों की नजर से बचने के लिए वह पिछले दो-तीन महीनों से छिपा हुआ था। संदिग्ध आतंकी के पकड़े जाने के बाद भाजपा प्रवक्ता देबजीत सरकार ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल दशकों से कट्टरपंथी इस्लामी समूहों के लिए सुरक्षित गलियारा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कट्टरपंथी समूह अब उन नेताओं पर हमले की कोशिश कर रहे हैं, जिन्होंने चरमपंथियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है।

चंद्रशेखर ने चुनावी ...

कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक अनुभव के कारण उनकी अलग पहचान रही। सेवानिवृत्ति के बाद सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय हुए। चंद्रशेखर ने उन्हें हाथरस जैसी दलित बहुल सुरक्षित सीट पर उतारकर प्रशासनिक छवि और दलित वोट बैंक दोनों को साधने की कोशिश की है।

महेंद्र सिंह पश्चिमी यूपी के पुराने जाट नेता हैं। वे उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रह चुके हैं और अलीगढ़ क्षेत्र में मजबूत राजनीतिक पकड़ रखते हैं। किसान और ग्रामीण राजनीति में उनकी पहचान है। उन्हें छर्रा सीट की जिम्मेदारी देकर ASP जाट और ओबीसी मतदाताओं में पैठ बढ़ाना चाहती है।

पलिया क्षेत्र में सामाजिक न्याय, किसान आंदोलनों और युवाओं के अधिकारों के लिए लगातार संघर्षरत रहे। जुलाई 2026 में लखनऊ में आयोजित NEET पेपर लीक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हाउस अरेस्ट (नजर-बंद) कर दिया था। पलिया क्षेत्र में पार्टी की 'सत्ता परिवर्तन यात्रा' निकाल रहे हैं। पलिया सीट पर पंजाबी सिर्फ 3% हैं। इस सीट पर ब्राह्मण, जाटव, कुर्मी व थारू जनजाति की आबादी सबसे ज्यादा है। अभी इस सीट पर बीजेपी का कब्जा है।

जगदीश बघेल बघेल (धांगर) समाज के प्रमुख चेहरों में गिने जाते हैं। फतेहपुर सीकरी और आसपास के इलाकों में उनकी सामाजिक सक्रियता रही है। बघेल समाज पश्चिमी यूपी की कई सीटों पर निर्णायक माना जाता है। ASP ने उन्हें उतारकर गैर-यादव ओबीसी वोटों को साधने की कोशिश की है।

तुलसीराम वाल्मीकि कानपुर में वाल्मीकि समाज का जाना-पहचाना चेहरा हैं। लंबे समय से सामाजिक संगठनों और बहुजन राजनीति से जुड़े रहे हैं। शहरी सुरक्षित वर्ग और वाल्मीकि समुदाय के बीच उनकी पहचान को देखते हुए पार्टी ने औद्योगिक शहर कानपुर की अहम सीट पर जिम्मेदारी दी है।

शिवसागर यादव पूर्वांचल में यादव समाज के प्रभावशाली नेताओं में माने जाते हैं। मऊ और आसपास के इलाकों में उनकी राजनीतिक सक्रियता रही है। मधुबन सीट पर यादव मतदाताओं की अच्छी संख्या है। ASP ने उन्हें जिम्मेदारी देकर समाजवादी पार्टी के परंपरागत यादव वोट बैंक में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने का संकेत दिया है।

पश्चिमी यूपी पर ...

ओबीसी समाज से यादव, गुर्जर, प्रजापति, वाल्मीकि और मौर्य समाज के नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, 10 मुस्लिम नेताओं को भी प्रभारी बनाया गया है। इससे माना जा रहा है कि पार्टी पश्चिमी यूपी और पूर्वांचल में मजबूत आधार चाहती है।

'मेरे पिता घर आए तो ...

रात 11 बजे जब पति घर आए, तो उन्होंने बताया कि संसद की सुरक्षा के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग को तोड़ा गया और पुलिस फोर्स पर हमला किया गया। ड्यूटी के दौरान उन्हें मिला हेलमेट पूरी तरह टूट चुका था।

मेरे पिता ASI हैं। उन्हें बहादुरी के लिए 4 सम्मान मिल चुके हैं। मेरे दादाजी भी BSF में थे। 1971 की जंग लड़ चुके हैं। जंतर-मंतर प्रदर्शन में पिता फ्रंटलाइन पर तैनात थे। उनके साथी से पता चला कि उनके सिर में गंभीर चोट लगी है।

जब उनकी तस्वीर देखी तो सिर मुंडा हुआ था और चार टांके लगे थे। मैं डर गया था। पिता ने बताया कि प्रदर्शन में सिर्फ छात्र नहीं थे, बल्कि हिंसक और उपद्रवी लोग भी शामिल थे।

वीडियो फुटेज के साथ बताया गया, 'प्रदर्शनकारियों को सुबह समझाया कि सुरक्षा कारणों की वजह से उन्हें संसद मार्च की इजाजत नहीं दी जा सकती। इसके बाद भी प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पर भारी संख्या में इकट्ठा हुए।

मंच पर मौजूद लोगों ने बार-बार लोगों को आने के लिए कहा। पुलिस ने उन्हें फिर समझाया, लेकिन भीड़ संसद की तरफ बढ़ने लगी।'

महाराष्ट्र के भिवंडी...

घटनास्थल पर नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (NDRF), ठाणे रिस्पॉन्स फोर्स (TDRF) और फायर ब्रिगेड की टीमों ने रेस्क्यू किया।

भिवंडी के इंदिरा गांधी अस्पताल के कैजुअल्टी ऑफिसर डॉ. आकाश शुक्ला ने बताया कि रात में दो पुरुष और एक महिला को अस्पताल लाया गया। तीनों को मामूली चोटें आई हैं।

सीमा ने डिस्कस थ्रो में ब्रॉन्ज जीता, भारत 10वें नंबर पर, 17 मेडल जीते

कॉमनवेल्थ गेम्स में लवप्रीत को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर

शानदार

नई दिल्ली,एजेंसी

वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स में आठवें दिन भारत को सिल्वर मेडल दिला दिया है। वहीं, महिलाओं के डिस्कस थ्रो इवेंट में सीमा कालीरमन ने ब्रॉन्ज हासिल किया।

लवप्रीत ने गुरुवार देर रात वेटलिफ्टिंग की 110 kg वेट कैटेगरी में 388 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 176 और क्लीन एंड जर्क में 212 किलो वजन उठाकर मेडल अपने नाम किया।

दूसरी ओर सीमा ने अपने तीसरे प्रयास में 58.65 मीटर डिस्कस थ्रो किया। उनके ब्रॉन्ज जीतने के बाद भारत के 17 मेडल हो गए हैं। इनमें 3 गोल्ड, 10 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत मेडल टैली में 10वें स्थान पर है।

27 साल की सीमा कालीरमन ने मां बनने के बाद गेम्स में शानदार वापसी की है। सीमा ने अपने चौथे, पांचवें और छठे प्रयास में फाउल किया, लेकिन 58.65 मीटर के थ्रो ने उन्हें पोडियम तक पहुंचा दिया। इस इवेंट में जमैका की सामंथा हॉल (61.66 मीटर) ने गोल्ड और कनाडा की जूलिया टंक्स (60.67 मीटर) ने सिल्वर मेडल हासिल किया। भारत की निधि रानी 53.19 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं। खेल के साथ सीमा भिवानी के चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन में Ph.D. भी कर रही हैं। घुटने की गंभीर चोट के कारण उन्हें तीन साल से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहना पड़ा, लेकिन लंबी रिहैबिलिटेशन के बाद उन्होंने शानदार वापसी की।

13 साल की उम्र में लवप्रीत ने गांव के कुछ युवाओं को वेटलिफ्टिंग करते देखा। यहीं से इस खेल के प्रति उनका लगाव बढ़ा। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने स्थानीय कोच की देखरेख में अभ्यास शुरू किया। साल 2017 में उन्हें पटियाला के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेशनल कैंप में जगह मिली। यहीं से उनका अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू हुआ।

खेतों में काम किया, दादा के साथ सब्जियां बेचीं

लवप्रीत सिंह का जन्म पंजाब के अमृतसर जिले में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। इसीलिए वे खेतों में काम करते थे, दादा के साथ सब्जियां बेचते थे। लवप्रीत घर की उस घोड़ी की देखभाल भी करते थे, जिसे शादी समारोहों में किराए पर भेजा जाता था। पिता दर्जी थे, लेकिन उन्होंने बेटे को सिलाई के काम में लगाने के बजाय खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सीमा

लवप्रीत महज एक किलो वेट से गोल्ड चूके

लवप्रीत ने स्नैच में 176 किलो वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। वे गोल्ड मेडल जीतने के बेहद करीब थे, लेकिन न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयूज से महज एक किलो के अंतर से पिछड़ गए।

न्यूजीलैंड के लिटी ने क्लीन एंड जर्क में गेम्स रिकॉर्ड के साथ कुल 389 किग्रा वजन उठाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने स्नैच में 166 और क्लीन एंड जर्क में 223 किग्रा वजन उठाया। इंग्लैंड के एंड्रयू ग्रिफिथ ने 356 किलो (165 + 191) के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

2027 वनडे वर्ल्डकप के 12 होस्ट शहरों का ऐलान

साउथ अफ्रीका में 8 वेन्यू, जिम्बाब्वे-नामीबिया भी मेजबान

जोहानसबर्ग, एजेंसी

ICC ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 12 मेजबान शहरों का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 21 नवंबर तक साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका के 8 वेन्यू पर मुकाबले होंगे। इनमें जोहानसबर्ग, सेंचुरियन, डरबन, ग्केबेर्हा, कुगोम्पो सिटी, केपटाउन, पार्ल और ब्लोमफोंटेन शहर होंगे। वहीं जिम्बाब्वे के हरारे, बुलावायो और विक्टोरिया फॉल्स और नामीबिया की राजधानी विंडहोक में भी मुकाबले खेले जाएंगे।

फाइनल मुकाबला जोहानसबर्ग के वांडरर्स या केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में हो सकता है।

2023 वनडे वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में मेजबान भारत को 6 विकेट से हराकर खिताब जीता था। 2023 वनडे

वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में मेजबान भारत को 6 विकेट से हराकर खिताब जीता था।

वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी में लौट रहा है। इससे पहले 2003 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इसके बाद साउथ अफ्रीका 2007 टी-20 वर्ल्ड कप, 2009 चैंपियंस ट्रॉफी और 2023 महिला टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुका है। नामीबिया पहली बार किसी सीनियर ICC टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हालांकि इसी साल उसने जिम्बाब्वे के साथ मिलकर अंडर-19 वर्ल्ड कप का आयोजन किया था।

हॉकी इंडिया की नई नारंगी जर्सी पर विवाद

खिलाड़ियों से सलाह लेने के दावे को टीम मेंबर ने नकारा, दिग्गजों ने नाराजगी जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम की नई जर्सी को लेकर विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट में एक खिलाड़ी और हॉकी इंडिया के एक अधिकारी के हवाले से दावा किया गया है कि जर्सी के रंगमें बदलाव को लेकर खिलाड़ियों से सलाह नहीं ली गई थी। अगले महीने होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप के लिए हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को नीली जर्सी की जगह नारंगी जर्सी लॉन्च की है। इस बदलाव के बाद कई पूर्व हॉकी खिलाड़ियों और दिग्गजों ने नाराजगी जाहिर की है।

हॉकी इंडिया ने विरोध के जवाब में गुरुवार को कहा कि जर्सी का रंग बदलने का फैसला खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ से सलाह-मशविरा के बाद लिया गया है। हालांकि, द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में भारतीय टीम के एक खिलाड़ी के हवाले से कहा गया है कि उनसे इस संबंध में न तो राय ली गई और न ही सलाह मांगी गई।

वहीं, हॉकी इंडिया की कार्यकारी समिति के एक सदस्य ने भी दावा किया कि उन्हें जर्सी में बदलाव की जानकारी नहीं थी। वे ऐसी किसी आधिकारिक बैठक का हिस्सा नहीं रहे, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा हुई हो।

1980 ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भी सवाल उठाया है। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान विरेन रासकिन्हा ने इस फैसले का विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि टीम को भगवा रंग पहनाया जाना शर्मनाक है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से नारंगी किए जाने की आलोचना की।

जेवलिन फाइनल में पाकिस्तान के अरशद, श्रीलंकाई रुमेश से चुनौती बॉक्सिंग में भारत के 10 सेमीफाइलिस्ट

नीरज चोपड़ा कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड के लिए उतरेंगे

ग्लासगो, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स के आठवें दिन भारत के नीरज चोपड़ा जेवलिन थ्रो फाइनल में गोल्ड मेडल के लिए उतरेंगे। भारत की ओर से रोहित यादव और यशवीर सिंह भी फाइनल में हिस्सा लेंगे।

नीरज के सामने पाकिस्तान के मौजूदा ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम और श्रीलंका के रुमेश पाथिराजे की चुनौती होगी।रुमेश ने क्वालिफिकेशन राउंड में 82.84 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया था, जबकि अरशद सातवें स्थान पर रहे थे।

भारत के 10 बॉक्सर आज सेमीफाइनल मुकाबले में उतरेंगे। टोक्यो ओलिंपिक मेडलिस्ट बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन भी सेमीफाइनल खेलेंगी। अरशद को एकमात्र सफलता पेरिस ओलिंपिक 2024 में मिली थी। तब उन्होंने 92.97 मीटर के ओलिंपिक रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता था, जबकि नीरज ने 89.45 मीटर के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया था।

नीरज चोपड़ा ने 2025 दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का थ्रो कर नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। वे 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले भारत के इकलौते जेवलिन थ्रोअर हैं।

टोक्यो ओलिंपिक 2020 में उन्होंने 87.58 मीटर के साथ गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा नीरज वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 और एशियन गेम्स 2023 में गोल्ड, जबकि पेरिस ओलिंपिक 2024 में सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। बॉक्सिंग में भारत के 10 मुक्केबाज सेमीफाइनल मुकाबले खेलेंगे। इनमें प्रीति पवार, अंकुश पंघाल, जैस्मिन लांबोरिया, अरुंधति चौधरी और जदुमणि सिंह के मुकाबले शाम तक होंगे। जीत के साथ ये खिलाड़ी अपने-अपने वर्ग के फाइनल में पहुंच जाएंगे।

नीरज और अरशद की पहली भिड़ंत 2016 साउथ एशियन गेम्स में हुई थी। इसके बाद दोनों 11 टूर्नामेंट में आमने-सामने आ चुके हैं। इनमें 10 बार नीरज ने अरशद को पीछे छोड़ा है।

क्वालिफिकेशन में पांचवें स्थान पर रहे नीरज

क्वालिफिकेशन राउंड में नीरज ने पहले प्रयास में 76.28 मीटर और दूसरे प्रयास में 79.61 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद उन्होंने तीसरा थ्रो नहीं किया। नीरज 79.61 मीटर के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल में पहुंच गए। भारत के ही रोहित यादव 78.37 मीटर के साथ नौवें और यशवीर सिंह 78.36 मीटर के साथ दसवें स्थान पर रहे। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने भी फाइनल के लिए क्वालिफाई किया।

मनोरंजन

79 साल की हुईं मुमताज

अमिताभ के लिए छोड़ी मर्सिडीज, शम्मी कपूर का प्रपोजल ठुकराया

मुंबई, एजेंसी

70-80 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस मुमताज आज 79 साल की हो चुकी हैं। उस दौर में मुमताज की वो पॉपुलैरिटी थी कि उनके फिल्मों में पहने गए कपड़े ट्रेंड बन जाते थे। खूबसूरती ऐसी थी कि यश चोपड़ा, शम्मी कपूर जैसे लोग भी उन्हें शादी का प्रस्ताव देने से कतराते नहीं थे, लेकिन काम और करियर के लिए जुनूनी मुमताज हर प्रस्ताव ठुकरा देती थीं। हालांकि एक समय ऐसा भी था जब कुछ बी-ग्रेड फिल्मों में काम करने की वजह से शशि कपूर, जीतेंद्र जैसे बड़े एक्टर्स ने उनके साथ फिल्में करने से इनकार कर दिया था। फिल्मों में काम मिलने से घर की आर्थिक स्थिति सुधरी और मुमताज मां के साथ वाल्केश्वर स्थित बिल्डिंग में आकर रहने लगीं। उनके ठीक ऊपर लता मंगेशकर का घर था, जहां 16MM पर फिल्में दिखाई जाती थीं। एक ही इंडस्ट्री से होने के च ल त ल त । नन्हीं मुमताज को काफी लाड़ देती थीं। जब भी घर में फिल्म शुरू करतीं तो मुमताज को भी घर बुला लेतीं। लता उन्हें गोद में बैठाकर फिल्म दिखातीं और वो जल्द ही सो जाती थीं। लेकिन जाते हुए हर बार कहतीं- आंटी जब भी फिल्म देखो, मुझे भी बुला लेना।

मयूर के साथ शादी के बाद ली गई मुमताज की तस्वीर।

लता मंगेशकर की गोद में बैठकर देखीं फिल्में

31 जुलाई 1947 में मुमताज का जन्म हैदराबाद के ड्रायफ्रूट वेंडर अब्दुल समाज अख्सरी के घर हुआ। परिवार ईरान से ताल्लुक रखता था। पिता इमामों के खानदान से थे। मुमताज महज एक साल की थीं, जब माता-पिता अलग हो गए। मां ने ही फिल्मों में बतौर जूनियर आर्टिस्ट काम कर मुमताज और बड़ी बहन मलका की अकेले परवरिश की। कुछ समय बाद मां बॉम्बे आकर बसीं। मुमताज भी अक्सर उनके साथ सेट पर जातीं। सेट पर हंसती खेलती मुमताज को महज 5 साल की उम्र में बतौर बाल कलाकार फिल्म संसार में काम करने मिला।

सेट पर मिली मां की मौत की खबर, डायरेक्टर से पूछा- क्या मैं जा सकती हूं

दिन भर फिल्मों के सेट पर बिताते हुए जल्द ही उन्होंने परिवार की जिम्मेदारी उठानी शुरू कर दी। 12 की उम्र में उन्हें जमीन के तारे (1960) में कैरेक्टर रोल मिल गया।

इस फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस देखने के बाद मशहूर डायरेक्टर वी.शांताराम ने उन्हें फिल्म स्त्री में अच्छा रोल दिया। एक दिन मुमताज फिल्म स्त्री के सेट पर पहुंचीं। मुमताज डांस का शॉट दे ही रही थीं कि घर से खबर आई- 'मां नहीं रहीं।'

13 साल की मुमताज चुप खड़ी हो गईं और थोड़ी देर बाद डायरेक्टर वी.शांताराम से कहा- 'क्या करूं अन्ना?'

वी.शांताराम हड़बड़ाए और कहा- 'तुम्हें जरूर जाना चाहिए।'

मुमताज तुरंत हैदराबाद के लिए रवाना हुईं। जनाजे में शामिल हुईं और अगले दिन ही फिर सेट पर आ गईं। इस पर मुमताज ने रेडियो नशा को दिए इंटरव्यू में कहा था, उस जमाने में कोई मर भी जाए और अगर प्रोड्यूसर का सेट लगा है, तो आपको जाना ही पड़ेगा। आप प्रोड्यूसर को कंगाल नहीं कर सकते, क्योंकि उनके बाद दूसरे प्रोड्यूसर का सेट लगना है।

'बिरयानी खाते हुए सलमान सिर में लगवा रहे थे इंजेक्शन'

प्रोड्यूसर शैलेन्द्र सिंह बोले- तब पीआरपी हेयर ट्रीटमेंट की प्रोसेस इललीगल थी

नई दिल्ली। सलमान खान के करीबी रहे फिल्म प्रोड्यूसर शैलेन्द्र सिंह ने हाल ही में बताया कि कई साल पहले उन्होंने सलमान को बिरयानी खाते हुए हेयर ट्रीटमेंट करवाते देखा था।

साइरस ब्रोचा से बातचीत में शैलेन्द्र ने बताया कि उस समय हर सोमवार रात उनकी सलमान से मुलाकात होती थी। उन्होंने कहा कि सलमान डाइनिंग टेबल पर खाना खाते समय सामने लगे शीशे में खुद को देखते रहते थे। रसोई में एक छोटी टेबल और उसके सामने शीशा लगा था, जिससे बातचीत भी शीशे के जरिए होती थी। शैलेन्द्र ने आगे बताया, ₹अचानक एक शख्स कमरे में आया। उसने दस्ताने पहने, एक सिरिंज निकाली और सलमान की स्कैल्प में इंजेक्शन लगाने लगा। उस समय सलमान आराम से बिरयानी खा रहे थे। हम दोनों अब भी शीशे के जरिए बात कर रहे थे और मैं यह सब देखकर हैरान था। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि आखिर हो क्या रहा है। मैंने पूछा, 'भाई, यह क्या चल रहा है?' इस पर सलमान ने कहा, 'स्टार बनने की एक कीमत चुकानी पड़ती है, भाई' और वह खाना खाते हुए सामान्य तरीके से बातचीत करते रहे। बाद में उन्हें पता चला कि यह PRP (प्लेटलेट-रिच प्लाज्मा) थेरेपी थी, जिसका इस्तेमाल बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए किया जाता है।

उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें इस ट्रीटमेंट की जानकारी नहीं थी। उस समय यह प्रोसेस इललीगल थी। उनके मुताबिक, अब कई लोग PRP थेरेपी करवाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ बाल पतले होने पर इसका इस्तेमाल किया जाता है।

लंदन में मिस्ट्री गर्ल के साथ दिखे आर्यन खान

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ गए हैं। लंदन में आर्यन को एक मिस्ट्री गर्ल के साथ देखा गया, जिनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। यूजर्स ने इस मिस्ट्री गर्ल की पहचान आर्टिस्ट विनी तकायर के रूप में की है। दोनों को लंदन के एक कसीनो से बाहर निकलते हुए देखा गया, जिसके बाद से दोनों के डेटिंग की चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, इस पर दोनों की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। तस्वीरों में आर्यन खान कैजुअल लुक में नजर आ रहे हैं। वे लंदन के एक कसीनो से बाहर निकलते दिख रहे हैं। उनके ठीक पास में विनी तकायर खड़ी हैं, जिन्होंने ऑल-ब्लैक आउटफिट पहना हुआ है। दोनों के एक साथ कसीनो से बाहर निकलने के बाद ही फैंस के बीच उनके रिश्ते को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगी हैं।

सोनू सूद ने बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

केक काटकर बांटी खुशियां, ऑफिस के बाहर उमड़े फैंस

जालंधर, एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद ने अपना जन्मदिन सादगी के साथ मनाया। मुंबई स्थित उनके कार्यालय के बाहर सुबह से ही बड़ी संख्या में प्रशंसक उन्हें बधाई देने पहुंचे। सोनू सूद ने अपने चाहने वालों से मुलाकात कर उनके प्यार और शुभकामनाओं के लिए आभार जताया। जन्मदिन का सबसे खास पल तब रहा, जब उन्होंने जरूरतमंद बच्चों के साथ केक काटकर खुशियां साझा कीं। सोनू सूद के जन्मदिन पर उनके कार्यालय के बाहर उत्सव जैसा माहौल नजर आया। अभिनेता ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया, उनसे बातचीत की और कई लोगों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। फैंस का उत्साह दिखाता है कि सोनू सूद केवल एक अभिनेता ही नहीं, बल्कि लोगों के बीच अपनी अलग पहचान रखने वाले शख्स भी हैं। इस जन्मदिन की सबसे भावुक तस्वीरें उस समय सामने आईं, जब सोनू सूद ने जरूरतमंद बच्चों के साथ केक काटकर खुशियां साझा कीं। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया और उन्हें अपने खास दिन का हिस्सा बनाया। यह पहल उनके सामाजिक सरोकारों और लोगों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है।

यूरोप में एंट्री के लिए हजारों लोग तैरकर पहुंचे थे, सेना ने रोका तो भगदड़ मची

स्पेन में मोरक्को के 18 प्रवासी मारे गए

भगदड़

सिउटा, एजेंसी

अफ्रीकी देश मोरक्को की तरफ से स्पेन में जबरन घुसने की कोशिश के दौरान गुरुवार सुबह भीषण भगदड़ मच गई। इसमें कम से कम 18 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गई, जबकि स्पेनिश और मोरक्को के 100 से ज्यादा सैनिक घायल हो गए। दरअसल बेहतर जीवन की तलाश में अफ्रीकी और एशियाई देशों के प्रवासी यूरोपीय देशों में घुसना चाहते हैं। सिउटा मोरक्को के उत्तरी तट पर स्थित एक स्पेनिश शहर है। यहां घुसने के बाद प्रवासियों को यूरोपीय संघ के क्षेत्र में एंट्री मिल जाती है।

न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक सीमा पर तैनात फोर्स को चकमा देने

के लिए करीब 3,000 प्रवासियों ने सुबह का वक्त चुना। तब सैनिकों की चौकसी कम होती है। सीमा पर पुलिस की घेराबंदी और बाड़ के संकरे रास्तों के कारण अफरा-तफरी मच गई। लोग एक-दूसरे के ऊपर गिर पड़े, जिससे दबने, दम घुटने और समुद्र में डूबने के कारण यह हादसा हुआ।

मोरक्को का कहना है कि स्यूटा और मेलिला भी उसे वापस मिलने चाहिए। ये दोनों शहर अफ्रीकी महाद्वीप में हैं और मोरक्को का हिस्सा हैं।

स्पेन का कहना है कि स्यूटा पर उसका कब्जा 350 साल से है। तब मोरक्को भी नहीं बना था। स्यूटा पर पुर्तगाल ने 1415 में कब्जा किया था। 1668 में पुर्तगाल में इसे स्पेन को दे दिया।

स्यूटा से ही यूरोप में घुसने की सबसे ज्यादा कोशिश क्यों होती है?

स्यूटा भले ही भौगोलिक तौर पर अफ्रीका में है, लेकिन यह स्पेन और यूरोपीय संघ (EU) का हिस्सा है। यानी अगर कोई प्रवासी स्यूटा में घुस जाता है, तो वह यूरोप की सीमा तक पहुंच जाता है। यही वजह है कि हजारों लोग हर साल यहां से यूरोप में दाखिल होने की कोशिश करते हैं। स्यूटा और इसके करीब मेलिला ऐसे दो शहर हैं, जहां अफ्रीका और यूरोप की सीधी जमीनी सीमा मिलती है। इसलिए बेहतर नौकरी और अच्छी जिंदगी की तलाश में मोरक्को समेत कई अफ्रीकी देशों के लोग सबसे ज्यादा इन्हीं रास्तों को चुनते हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में ही करीब 1,500 प्रवासी स्यूटा में प्रवेश कर चुके थे। इसके बाद गुरुवार को हालात अचानक बिगड़ गए। स्यूटा में घुसने के लिए कुछ लोग समुद्र में तैरकर सीमा पार करते हैं, कुछ छोटी नावों का सहारा लेते हैं। वहीं बड़ी संख्या में लोग सीमा पर लगी ऊंची बाड़ पर चढ़कर या उसे काटकर अंदर जाने की कोशिश करते हैं। हालांकि, सीमा पर लगे सेंसर, निगरानी टावर और स्पेनिश सुरक्षाबल अक्सर उन्हें पकड़ लेते हैं।

मोरक्को से आए कुछ प्रवासी गुरुवार को स्पेन के स्यूटा शहर से वापस मोरक्को लौटते हुए। वे स्पेन की सीमा में घुस नहीं पाए।

प्रवासियों को रोकने के लिए स्पेन ने सेना भेजी

स्पेन सरकार के अधिकारी फर्नांडो रोड्रिगेज कॉन्ट्रेरास ने कहा कि शुरुआती अनुमान के मुताबिक हजारों, संभवतः कई दस हजार लोग एक साथ मोरक्को से स्यूटा में घुस आए। हालात को देखते हुए स्पेन सरकार ने सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी है। इसके तहत सेना की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात की गई हैं, जबकि हवाई और नौसैनिक निगरानी भी बढ़ाई गई है। समुद्र के रास्ते आने वाले प्रवासियों पर नजर रखने के लिए गोताखोरों की टीमों को भी तैनात किया गया है।

जेल में बंद गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई को गोली मारी

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के कराची स्थित ल्यारी में 'धुरंधर गैंग' का खौफ देखने को मिल रहा है। जहां अज्ञात हमलावरों ने जेल में बंद पीपुल्स अमन कमेटी के प्रमुख और गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई जुबैर बलूच को गोली मार दी।

यह घटना गुरुवार शाम की है, जब ज्ञात हमलावरों ने जुबैर पर अंधाधुंध फायरिंग की। इस दौरान उसके सीने और पेट में कई गोलियां लगीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया इस गोलीबारी में दो राहगीर भी घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डॉन खबर के मुताबिक, दक्षिण के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सैयद असद रजा ने बताया कि जुबैर को 2012 में सात आपराधिक मामलों में गिरफ्तार किया गया था और जनवरी 2025 में रिहा कर दिया गया था।

उन्होंने आगे बताया कि जुबैर

ल्यारी में अपने आवास के बाहर बैठा था, तभी मोटरसाइकिल पर सवार हथियारबंद संदिग्धों ने उन पर गोली चलाई और मौके से फरार हो गए। हमले के वक्त हमलावरों ने अपने चेहरे ढके हुए थे। हालांकि, पास के एक दुकानदार द्वारा जवाबी फायरिंग किए जाने के बाद हमलावर मौके से भाग निकले।

इलाके के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि जुबैर कुछ महीने पहले एक राजनीतिक पार्टी में शामिल हो गया था और उसने अपने इलाके में उसके झंडे फहराए थे।

डीआईजी ने आगे बताया कि पुलिस गिरोहों की आपसी प्रतिद्वंद्विता और व्यक्तिगत दुश्मनी सहित अलग-अलग एंगल से घटना की जांच कर रही है।

फास्ट न्यूज

स्पेन-मोरक्को की सीमा पर संकट

सेउटा। मोरक्को की सीमा से स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र सेउटा में गुरुवार को हजारों प्रवासी घुस आए। प्रवासियों ने बॉर्डर की बाड़ तोड़कर स्पेन में प्रवेश कर लिया, जिसके दौरान कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। अब स्पेन ने इलाके में मोरक्को के साथ लगी सीमा पर शांति बनाए रखने का फैसला लिया है।

सेउटा के लोकल अधिकारियों ने मैड्रिड से इमरजेंसी मदद मांगी थी।

ईरान पर हमले रोकने वाला प्रस्ताव सीनेट में 49-50 वोट से गिरा

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट में गुरुवार को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई पर राष्ट्रपति की ताकत सीमित करने वाला एक अहम प्रस्ताव गिर गया। वोटिंग में यह प्रस्ताव 49-50 के बेहद करीबी अंतर से खारिज हो गया।

पेन्सिलवेनिया से रिपब्लिकन सीनेटर डेव मैकॉर्मिक इस वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अगर वह वोट करते तो नतीजा बदल भी सकता था। इस प्रस्ताव का मकसद यह था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ कोई भी नया हमला शुरू करने से पहले अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस से मंजूरी लें।

यूएस में पढ़ाई के बाद नौकरी करना पड़ेगा महंगा

नई दिल्ली। अमेरिका से डिग्री हासिल कर वहां करियर बनाने का सपना देख रहे लाखों भारतीय छात्रों को बड़ा झटका लग सकता है। दरअसल, पढ़ाई पूरी करने के बाद दिए जाने वाले 'ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग' (OPT) वर्क परमिट पर ट्रंप प्रशासन 100,000 डॉलर (95 लाख रुपये) का शुल्क लागू करने की योजना बना रहा है।

साउथ कोरिया के शेयर बाजार में 18% की रिकॉर्ड तेजी

सैमसंग और एसके हायनिक्स के शेयर 23% से ज्यादा चढ़े

सीओल/वॉशिंगटन, एजेंसी

साउथ कोरिया के शेयर बाजार कोस्पी में शुक्रवार को 18% की रिकॉर्ड तेजी आई है। यह कोस्पी के इतिहास में एक दिन में प्रतिशत के हिसाब से दर्ज की गई अब तक की सबसे बड़ी बढ़त है।

ग्लोबल लेवल पर टेक्नोलॉजी शेयरों में जारी रिकवरी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दोबारा लौटती दिलचस्पी से यह शानदार उछाल दर्ज किया गया। इससे पहले तीन दिनों तक मार्केट में टेक शेयरों में भारी बिकवाली का दौर रहा था।

बाजार की इस तेजी में सेमीकंडक्टर (चिप) बनाने वाली कंपनियों का सबसे बड़ा योगदान रहा। साउथ कोरिया की दिग्गज कंपनी SK हायनिक्स और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 23-23% से भी ज्यादा का उछाल

दर्ज किया गया। इसके अलावा ताइवान की प्रमुख चिप निर्माता कंपनी ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (TSMC) के शेयर भी 10% तक चढ़े। ये तीनों कंपनियां MSCI एशिया पैसिफिक इक्विटीज इंडेक्स में सबसे ज्यादा योगदान देने वाली कंपनियां बनकर उभरीं।

एशियाई बाजारों में आई इस तेजी का असर इमर्जिंग मार्केट्स पर भी साफ दिखा। इमर्जिंग मार्केट इक्विटीज का MSCI इंडेक्स 6.1% तक चढ़ गया, जो पिछले 6 सालों में इसकी एक दिन की सबसे बड़ी तेजी है।

बोले- लाखों का कोर्स किया, अब वर्क परमिट से इनकार, अल्बर्टा प्रीमियर बोलीं- देश छोड़ना होगा

आंधी-बारिश में सड़कों पर 500 पंजाबी छात्र

जालंधर, एजेंसी

कनाडा में पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट (PGWP) के आवेदन खारिज होने के बाद करीब 1000 भारतीय छात्र संकट में हैं। ये पिछले 3 हफ्ते से अल्बर्टा के कैलगरी में प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि कुछ ने 29 जुलाई से भूख हड़ताल शुरू कर दी है। इनमें 500 छात्र पंजाबी हैं। जो बारिश, तेज धूप और खराब मौसम के बावजूद छात्र अल्बर्टा के कैलगरी में सड़कों पर डटे हुए हैं।

छात्रों का आरोप है कि जिन नियमों के तहत उन्होंने लाखों रुपए खर्च कर पढ़ाई पूरी की, अब उसी कोर्स को नॉन-क्रेडिबल बताकर वर्क परमिट से इनकार किया जा रहा है। इससे सैकड़ों छात्रों पर डिपोर्टेशन का खतरा मंडरा रहा है। इससे कई

लड़कियां डिप्रेशन में हैं, सिर पर परिवार का कर्ज है। उन्होंने कनाडा में पढ़ाई की है, इसलिए उन्हें वहां काम करने का मौका मिलना चाहिए। कनाडा सरकार और अल्बर्टा की प्रीमियर डेनियल स्मिथ ने कहा कि वह पोर्टेज कॉलेज को सीधे तौर पर फर्जी डिग्री देने वाला संस्थान नहीं कहेंगी, लेकिन उनका मानना है कि संस्थान ने स्थायी निवास (PR) को लेकर बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी दी हो सकती है। उन्होंने कहा कि जिनके पास इंटरनेशनल वीजा,

डिप्रेशन में छात्र, 250 फाइलें दो दिन में रिजेक्ट

अचानक PGWP रिजेक्ट होने से कई छात्र मानसिक तनाव में हैं। उनका कहना है कि परिवार ने कर्ज लेकर उन्हें कनाडा भेजा था। अब न नौकरी मिल रही है और न भविष्य साफ दिखाई दे रहा है। छात्रों के मुताबिक, अल्बर्टा के कैलगरी स्थित पोर्टेज कॉलेज के करीब 250 छात्रों की वर्क परमिट फाइलें केवल दो दिनों में खारिज कर दी गईं। उनका दावा है कि प्रभावित छात्रों की संख्या बढ़कर 2000 तक पहुंच सकती है।

आईआरसीसी के रिजेक्शन लेटर से बढ़ी परेशानी

छात्रों का कहना है कि उन्होंने इसी भरोसे के साथ इन कार्यक्रमों में दाखिला लिया था कि पढ़ाई पूरी होने के बाद वे पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट के पात्र होंगे। हालांकि बाद में कई छात्रों को इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (IRCC) की ओर से रिजेक्शन लेटर मिले। इसके बाद वे पढ़ाई पूरी करने के बावजूद कनाडा में काम करने के अधिकार से वंचित हो गए।

स्टूडेंट वैध स्टेटस या PR नहीं होगा, उन्हें देश छोड़ना होगा। एक छात्रा ने बताया कि वह 10 जुलाई 2024 को पहली बार कनाडा पहुंची थी। उसने पढ़ाई पूरी की और किसी भी सब्जेक्ट में फेल नहीं हुई। कॉलेज ने कहा था कि 15 मई 2024 से पहले रजिस्ट्रेशन कराने वाले छात्र पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट (PGWP) के पात्र होंगे। इसके बावजूद 16 जुलाई 2026 को उसका आवेदन खारिज कर दिया गया। रिजेक्शन में कारण बताया गया कि उसकी कनाडा में एंट्री 23 नवंबर 2025 की दर्ज है।

दावा : हमास इजराइल में शांति समझौता

हमास हथियार छोड़ेगा, इजराइली सेना पीछे हटेगी, नई फिलिस्तीनी सरकार गाजा को कंट्रोल करेगी

लंदन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि गाजा में हमास और इजराइल के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। हमास और दूसरे सभी हथियारबंद संगठनों ने हथियार छोड़ने पर सहमति जताई है। इसके बाद इजराइली सेना भी गाजा से पीछे हटेगी।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, ट्रम्प ने कहा, यह डील ट्रम्प 20-पॉइंट गाजा प्लान का सबसे अहम हिस्सा है और गाजा में स्थायी शांति और सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम है।

हमास का हथियार छोड़ना सबसे बड़ी चुनौती- हमास और दूसरे सभी हथियारबंद गुटों को चरणबद्ध तरीके से हथियार सौंपने होंगे। अगर कोई गुट नहीं माना, तो पूरा समझौता प्रभावित हो सकता है।

इजराइली सेना की वापसी चरणों

में होगी- हमास के हथियार छोड़ने की पुष्टि के बाद ही इजराइली सेना धीरे-धीरे गाजा से पीछे हटेगी। दोनों पक्षों को साथ-साथ कदम उठाने होंगे। नई सुरक्षा व्यवस्था बनाना आसान नहीं- इजराइली सेना के हटने के बाद गाजा की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल और नई फिलिस्तीनी पुलिस संभालेगी।

कई स्टेप्स में लागू होगा समझौता

ट्रम्प के मुताबिक समझौता कई चरणों में लागू होगा। जैसे-जैसे हमास अपने हथियार छोड़ेगा, वैसे-वैसे इजराइली सेना गाजा से हटेगी। इसके बाद एक इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स और नई फिलिस्तीनी पुलिस गाजा की सुरक्षा संभालेंगे। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हमास के हथियार छोड़ने की मंजूरी के बाद अब 14 दिन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके तहत समझौते के हर चरण को लागू करने की टाइमलाइन तय की जाएगी।

दावा- ईरान ने हमास को प्रस्ताव न मानने को कहा

एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया है कि ईरान चाहता था कि हमास यह समझौता न करे। हालांकि, अब ईरान पहले की तरह हमास की मदद करने की स्थिति में नहीं है। इसलिए हमास ने अपने और गाजा के लोगों के हित को देखते हुए फैसला लिया। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) के अधिकारियों ने पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में पहुंचे हमास डेलिगेशन से जल्दबाजी में प्रस्ताव स्वीकार नहीं करने को कहा था। हालांकि, आखिरकार हमास ने यह प्रस्ताव मान लिया।

ट्रम्प ने पहली बार सितंबर 2025 में गाजा युद्ध खत्म करने की योजना पेश करते हुए इस बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने करीब 60 देशों को इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता भेजा था।

इस बोर्ड की भूमिका सिर्फ गाजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर संघर्षों को सुलझाने का भी काम करेगा।

बोर्ड ऑफ पीस चार्टर के मुताबिक, जो देश तीन साल से ज्यादा समय तक इस बोर्ड का सदस्य बनना चाहते हैं, उन्हें 1 अरब डॉलर का योगदान देना होगा।

पीएम मोदी के एआई मॉर्फ्ड वीडियो को लेकर एक्शन

मेटा इंडिया हेड समेत कई लोगों पर एफआईआर

हैदराबाद/नोएडा, एजेंसी

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मेटा इंडिया के हेड अरुण श्रीनिवास समेत कई सोशल मीडिया अकाउंट हैंडलर्स के खिलाफ FIR दर्ज की है। मामला पीएम मोदी के AI मॉर्फ्ड वीडियो से जुड़ा है, जिसे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान शेयर किया गया था। पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं की शिकायत पर दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। श्रीनिवास को दोनों मामलों में सह-आरोपी बनाया गया है। सोशल मीडिया अकाउंट्स से वीडियो शेयर करने वालों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस AI मॉर्फ्ड वीडियो बनाने वाले, सबसे पहले अपलोड करने और वायरल करने वालों की जांच कर रही है। साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी कंटेंट रोकने वाले मेटा के सिस्टम और सुरक्षा उपायों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का

कहना है कि यह देखा जा रहा है कि क्या प्लेटफॉर्म का कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम ऐसे वीडियो समय रहते रोकने में सक्षम था या नहीं। जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क और वीडियो के सोर्स की पड़ताल कर रही हैं। जांच अधिकारी ने बताया कि शिकायतों में बताए गए आपत्तिजनक लिंक के संबंध में मेटा को नोटिस भेजा गया है। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जरूरी जानकारी जुटा रही है। FIR से पहले मेटा के अधिकारियों को समन भेजकर AI जनरेटेड स्कैम, फर्जी विज्ञापनों और मॉर्फ्ड कंटेंट की पहचान तथा उसे हटाने की व्यवस्था पर जवाब मांगा गया था।

ऐलान : 50 देशों को न्योता भेजा, जहाजों को हूती विद्रोहियों के हमलों से बचाना मकसद

रेड सी की सुरक्षा के लिए गठबंधन बना रहा सऊदी

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब ने ऐलान किया है कि वह रेड सी (लाल सागर) में जहाजों की सुरक्षा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाएगा। इसका मकसद यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों से जहाजों की रक्षा करना है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस गठबंधन में शामिल होने के लिए 50 देशों को न्योता भेजा गया है। हालांकि, कौन से देश इसमें शामिल होंगे यह अभी तय नहीं हुआ है। इसकी औपचारिक घोषणा जल्द की जा सकती है।

हूती विद्रोहियों ने 20 जुलाई को सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री

नाकेबंदी का ऐलान किया था। उसने कहा कि सऊदी पोर्ट का इस्तेमाल करने वाले जहाजों पर हमला किया जा सकता है।

हूती अक्सर ड्रोन, मिसाइल और विस्फोटकों से भरी नावों से हमला करते हैं। युद्धपोतों पर लगे एयर डिफेंस सिस्टम और रडार इन हमलों का पहले ही पता लगाकर उन्हें मार गिराने की कोशिश करेंगे। समुद्र के ऊपर ड्रोन, गश्ती विमान और निगरानी वाले विमान लगातार उड़ान भरेंगे। इससे हूती के लॉन्चिंग पॉइंट और संदिग्ध गतिविधियों का जल्दी पता चल सकेगा। गठबंधन

हूती विद्रोहियों 22 जुलाई की रात ने सऊदी तेल टैंकरों इनसेलिया और लायला पर हमला किया था, जिसके बाद उसमें आग लग गई थी।

गठबंधन में कौन हो सकता है शामिल?

मिडिल ईस्ट की न्यूज वेबसाइट अल-मॉनिटर के मुताबिक अमेरिका, पाकिस्तान, मिस्र, तुर्किये, जिबूती, सोमालिया और सूडान को न्योता भेजा गया है। इसके अलावा जर्मनी, फ्रांस और इटली समेत कई यूरोपीय देशों को भी निमंत्रण मिला है।

इस रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि मिस्र, जिबूती और सूडान गठबंधन में शामिल होने पर सहमत हो गए हैं। हालांकि, अमेरिका अभी तक आधिकारिक तौर पर गठबंधन में शामिल होने की पुष्टि नहीं कर पाया है, लेकिन उसके इसमें शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

में शामिल देश रडार, सैटेलाइट और खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी एक-दूसरे के साथ साझा करेंगे।

एक्सपर्ट के मुताबिक गठबंधन में शामिल देश अपने नौसैनिक युद्धपोत रेड सी और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में तैनात करेंगे। ये जहाज आसपास गश्त करेंगे और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा करेंगे। तेल टैंकर और मालवाहक जहाजों को अकेले भेजने के बजाय काफिले में भेजा जाएगा। उनके साथ वॉरशिप चलेंगे, जिससे हमला होने पर तुरंत जवाब दिय जा सके।

सऊदी अरब लाल सागर की सुरक्षा के लिए बनाएगा अंतरराष्ट्रीय गठबंधन

हूती के हमलों से बचाव के लिए 50 देशों को न्योता

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब ने एलान किया है कि वह लाल सागर यानी रेड सी में जहाजों की सुरक्षा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाएगा। इसका मकसद यमन में हूती विद्रोहियों के हमलों से व्यापारिक जहाजों को बचाना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस गठबंधन में शामिल होने के लिए 50 देशों को न्योता भेजा गया है। अभी यह तय नहीं है कि कौन-कौन से देश इसमें शामिल होंगे। इसकी औपचारिक घोषणा जल्द हो सकती है। एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका, पाकिस्तान, मिस्र, तुर्किये, जिबूती, सोमालिया, सूडान के अलावा जर्मनी, फ्रांस और इटली समेत कई यूरोपीय देशों को भी बुलावा गया है। कहा जा रहा है कि मिस्र, जिबूती और सूडान गठबंधन में शामिल होने के लिए राजी हो गए हैं। अमेरिका ने अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की है,

लेकिन उसके शामिल होने की संभावना है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, गठबंधन में शामिल देश अपने युद्धपोत रेड सी और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में तैनात करेंगे। ये जहाज गश्त करेंगे और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा करेंगे। तेल टैंक और मालवाहक जहाज अकेले नहीं भेजे जाएंगे। उन्हें काफिले में भेजा जाएगा और साथ में वॉरशिप चलेंगे। युद्धपोतों पर लगे एयर डिफेंस और रडार ड्रोन और मिसाइल हमलों को पहले ही मार गिराने की कोशिश करेंगे।ड्रोन और गश्ती विमान लगातार उड़ान भरेंगे ताकि हूती के लॉन्चिंग पॉइंट का पता चल सके।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533

R.N.I. NO. 64107/96